dinbandhunews.com | dinbandhunews.com/epaper | Twiter.com | facebook.com | Instragramcom

दैनिक
दीन बन्धु
राजधानी का अखबार

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, सोमवार
19.05.2025
वर्ष : 13
अंक : 156
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

सुप्रिया सुले, रवि किशन, निशिकांत समेत ये 17 सांसद बने संसद रत्न

नई दिल्ली। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय और उत्कृष्ट योगदान देने वाले 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा. इन सांसदों में भर्तृहरि महताब, सुप्रिया सुले, रवि किशन, एनके प्रेमचंद्रन और श्रीरंग बारणे और अन्य सदस्य शामिल हैं. इनके अलावा दो विभागीय स्थायी समितियों वित्त और कृषि को भी सम्मानित किया जाएगा. प्राइम पॉइंट फाउंडेशन द्वारा स्थापित यह पुरस्कार उन सांसदों को दिया जाता है जो संसद में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं, चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी मानी जाती है. विजेताओं का चयन एक जूरी द्वारा किया जाता है, जिसकी अध्यक्षता इस बार राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने की. भर्तृहरि महताब, सुप्रिया सुले, एन के प्रेमचंद्रन और श्रीरंग अप्पा बारणे को संसदीय लोकतंत्र में उत्कृष्ट और निरंतर योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा. अन्य चुने गए सांसदों में भाजपा के रवि किशन, स्मिता वाघ, मेधा कुलकर्णी, प्रवीण पटेल, निशिकांत दुबे, बिद्युत बरन महतो, पी पी चौधरी, मदन राठौर और दिलीप सैकिया शामिल हैं.

ब्रीफ न्यूज

तीसरे चरण में फेल हुआ इसरो का सबसे भरोसेमंद रॉकेट

श्रीहरिकोटा। रविवार को सवेरे-सवेरे, श्रीहरिकोटा के आसमान में इसरो के वैज्ञानिकों की आंखें टिकी हुई हैं. सभी खुशी के पल का इंतजार कर रहे थे, अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट अपने कक्षा में स्थान लेने ही वाला था. पहला और दूसरा चरण सफल भी हो चुका था. मगर, अचानक से वहां मौजूद सभी के चेहरे पर मायूसी छाने लगी. रविवार को इसरो का 101वां मिशन फेल हो गया. दरअसल, इसरो के भरोसेमंद पीएसएलवी रॉकेट पर सवार होकर ईओएस सैटेलाइट अपने कक्षा में स्थापित होने वाला था. तीसरे चरण में दबाव की समस्या आने लगी, मिशन पूरा नहीं हो सका. आखिर ये मिशन क्यों और कैसे फेल हुआ, वैज्ञानिकों ने इसकी वजह बता दी है. पीएसएलवी ने इसे लेकर सुबह के 5.59 बजे उड़ान भरी थी. पहला और दूसरा चरण सफल भी रहा, मगर यह मिशन के उद्देश्य पूरा नहीं कर पाया. इसरो चीफ नारायणन ने कहा, आज हमने श्रीहरिकोटा से 101वां प्रक्षेपण, पीएसएलवी-सी61 ईओएस-09 मिशन का लक्ष्य रखा था. पीएसएलवी चार चरणों वाला वाहन है और दूसरे चरण तक इसका प्रदर्शन सामान्य था. तीसरे चरण की मोटर पूरी तरह से चालू हो गई, लेकिन तीसरे चरण के कामकाज के दौरान हम एक अवलोकन देख रहे हैं और मिशन पूरा नहीं हो सका.

स्टालिन की 8 मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी, कहा- राष्ट्रपति के सुप्रीम कोर्ट से पूछे संदर्भों का विरोध कर

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरल, झारखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर (सभी गैर-भाजपा शासित राज्य) के 8 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखी। इसमें उन्होंने राष्ट्रपति के सुप्रीम कोर्ट से मांगे गए संदर्भ का विरोध करने की अपील की है। स्टालिन ने लिखा- हम सभी जानते हैं कि जब किसी मुद्दे पर कोर्ट के आधिकारिक फैसले से पहले ही निर्णय लिया जा चुका हो, तब सुप्रीम कोर्ट के सलाह देने के क्षेत्राधिकार का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। फिर भी भाजपा सरकार ने राष्ट्रपति पर संदर्भ मांगने के लिए जोर दिया है, जो उनके भयानक इरादे बताता है। इसके बावजूद भाजपा सरकार ने संदर्भ मांगने पर जोर दिया है, जो उनके भयावह इरादे की ओर इशारा करता है।

सीजेआई को महाराष्ट्र के चीफ सेक्रेटरी-डीजीपी ने रिसीव नहीं किया, सीजेआई ने जताई नाराजगी

मुंबई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनने के बाद जस्टिस बीआर गवई रविवार को पहली बार मुंबई पहुंचे। जहां उन्हें रिसीव करने चीफ सेक्रेटरी, DGP और मुंबई के पुलिस कमिश्नर नहीं पहुंचे। इस पर उन्होंने महाराष्ट्र-गोवा बार काउंसिल के कार्यक्रम में निराशा जताई। CJI गवई ने

कहा, मैं ऐसे छोटे-मोटे मुद्दों पर बात नहीं करना चाहता, लेकिन मैं इस बात से निराश हूं कि महाराष्ट्र के बड़े अफसर प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते। लोकतंत्र के तीनों स्तंभ समान हैं और उन्हें एक-दूसरे के प्रति सम्मान दिखाना चाहिए। CJI ने कहा, अगर भारत के चीफ जस्टिस पहली बार महाराष्ट्र आ रहे हैं तो ये उम्मीद की जाती है कि यहां के चीफ सेक्रेटरी, DGP और मुंबई के पुलिस कमिश्नर को मौजूद रहना चाहिए। ऐसा न करना सोचने पर मजबूर करता है। मुंबई में महाराष्ट्र-गोवा बार काउंसिल ने CJI का सम्मान समारोह रखा था।

कुबेरेश्वरधाम पर संध्या आरती में उमड़ा आस्था का सैलाब

सीहोर। देश भर में शिवमहापुराण कथाओं से शिव भक्ति की अलख जगाने वाले प्रख्यात कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की आगामी कथा दिल्ली में होने वाली है। जिला मुख्यालय स्थित कुबेरेश्वरधाम पर नियमित रूप से यहां पर संध्या आरती का क्रम जारी रहता है। रविवार को भी सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं आरती में शामिल हुए। इस मौके पर रविवार की शाम को अपने प्रवचन के दौरान पंडित श्री मिश्रा ने कहाकि भगवान शिव की आराधना करने वाला भक्त कभी दुखी नहीं रहता। भगवान भोलेनाथ हर भक्त की सुनते हैं। भोले की भक्ति में शक्ति होती है। भगवान भोलेनाथ कभी भी किसी भी मनुष्य की जिंदगी का पासा पलट सकते हैं।

भोपाल नगर निगम ने नीमच में स्थापित किया 10 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र
मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया संयंत्र का वर्च्युअल लोकार्पण

भोपाल के समरधा में भोज-नर्मदा द्वार बनेगा

भोपाल प्रदेश की आंचलिक संस्कृति और इतिहास को मिलेगी अभिव्यक्ती

भोपाल ■ ब्यूरो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान और भावी पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ना और उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक चेतना को जानने का सजीव अवसर प्रदान करना आवश्यक है। प्रदेश के नगरों के मुख्य प्रवेश मार्गों पर महापुरूषों की स्मृति में बन रहे सांस्कृतिक द्वार इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी के उज्जवल भविष्य निर्माण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। राजा भोज सहित अन्य महापुरूषों के गौरवशाली इतिहास को पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री यादव भोपाल में नर्मदापुरम मार्ग पर समरधा में निर्मित होने वाले भोज-नर्मदा द्वार के भूमि-पूजन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित 10 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का इस कार्यक्रम से वर्च्युअल लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, खेल युवक कल्याण एवं सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा और विधायक श्री भगवान दास सबनानी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल प्रदेश की राजधानी है। यहां प्रदेश के विभिन्न अंचलों की संस्कृति और इतिहास को अभिव्यक्ती प्रदान की जाएगी। भोपाल के प्रमुख प्रवेश मार्गों पर निर्मित होने वाले 9 द्वारों पर माँ नर्मदा के तट पर विद्यमान प्रमुख तीर्थों सहित सभी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक संदर्भ उकेरे जाएंगे। उज्जैन में निर्मित महामृत्युंजय द्वार, विभिन्न काल में उज्जैन के इतिहास और प्रमुख घटनाओं को अभिव्यक्त करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भोज की प्रतिभा, योग्यता और पराक्रम पर

भोपाल की जल प्रदाय व्यवस्था में होगा बिजली का उपयोग

मुख्यमंत्री यादवने नर्मदापुरम मार्ग पर भोज और नर्मदा द्वार का किया भूमि पूजन

विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पाकिस्तान के विरूद्ध ऑपरेशन सिंदूर में भारत की जीत, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व क्षमता और भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहन कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विश्व के सामने ऑपरेशन सिंदूर में आंतकियों के विरूद्ध की गई कार्रवाई को सशक्त रूप से प्रस्तुत कर नारी शक्ति के सामर्थ्य का प्रकटीकरण किया है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेतृत्व में हम आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ-साथ आत्मनिर्भर नगर निगम व नगर पालिका के सपने को साकार करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। भोपाल नगर निगम द्वार नीमच में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना, आत्मनिर्भता की ओर एक प्रभावी कदम है। भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि 5 करोड़ रुपए की लागत से ÷भोज-नर्मदा द्वार÷ का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित किए जा रहे सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग भोपाल की जल प्रदाय व्यवस्था के संचालन में किया जाएगा। कार्यक्रम को विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने भी संबोधित किया।

संग्रहालयों के तकनीकी उन्नयन से देश-दुनिया में प्रदेश की विशेष बनी है पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धरोहरों के प्रति युवाओं की रूचि विकसित करने के लिए नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए जानकारियों का आकर्षक रूप से प्रस्तुतिकरण आवश्यक है। धरोहरों के संरक्षण के लिए भी अद्यतन तकनीक का उपयोग जरूरी है। इस दृष्टि से राज्य संग्रहालय ने इमर्सिव एक्सपीरियंस सेंटर आरंभ करने का नवाचार समयानुकूल है। प्रदेश में स्मारकों और संग्रहालयों में दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। संग्रहालयों की समृद्ध परंपरा में मध्यप्रदेश जिस प्रकार से कार्य कर रहा है, उससे देश- दुनिया में प्रदेश की विशेष पहचान बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर राज्य संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इमर्सिव एक्सपीरियन्स सेंटर का लोकार्पण किया तथा इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में आयोजित कार्यक्रमों का भी वर्चुअल शुभारंभ किया।

पाकिस्तान में मारा गया लश्कर आतंकी खालिद

भारत में तीन बड़े हमलों का था मास्टरमाइंड

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

लश्कर-ए-तैयबा और जमात का आतंकवादी रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह मारा गया है। सैफुल्लाह को पाकिस्तान के सिंध में मतली फलकारा चौक के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। हालांकि उसे गोली कब मारी गई, इसकी जानकारी अभी नहीं है। सैफुल्लाह नेपाल में लश्कर के मॉड्यूल पर काम कर रहा था। वह नेपाल में विनोद कुमार के नाम से काम करता था। उसने नेपाली महिला नगमा बानू से शादी की थी। सैफुल्लाह भारत में आतंकियों की घुसपैठ और आर्थिक मदद जुटाने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सैफुल्लाह लश्कर के ऑपरेशनल कमांडर आजम चीमा उर्फ बाबाजी का सहयोगी था। सैफुल्लाह 2006 में नागपुर के RSS मुख्यालय पर हुए हमले में शामिल था। इसके अलावा 2008 में उत्तर प्रदेश के रामपुर में CRPF कैंप पर हुए आतंकी हमले और 2005 में IISC बेंगलुरु पर हमले की साजिश का मास्टरमाइंड था।

आरएसएस हेडक्वॉर्टर पर आतंकी हमले की साजिश रची थी

- 2006 में नागपुर में आरएसएस मुख्यालय पर आतंकियों ने एक बड़े हमले की साजिश रची थी।
- इस हमले को सुरक्षा बलों ने समय रहते नाकाम कर दिया था।
- 2006 में 1 जून की सुबह लगभग 4:00 से 5:00 बजे के बीच तीन हमलावर एक सफेद कार में सवार होकर आए।
- कार में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक थे। हमलावरों के पास एके-47 राइफल्स और ग्रेनेड भी थे।
- उन्होंने आरएसएस मुख्यालय में जबरन घुसने की कोशिश की, लेकिन उस समय वहां पहले से तैनात सीआरपीएफ जवानों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की।

सीआरपीएफ कैंप पर हमले में 7 जवान शहीद हुए थे

- उत्तरप्रदेश में 31 दिसंबर 2007 की रात को आतंकियों ने सीआरपीएफ कैंप पर हमला किया था।
- इस हमले में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी शामिल थे।
- रात करीब 2:30 बजे आतंकियों ने दिल्ली-लखनऊ रोड पर CRPF ग्रुप सेंटर के गेट नंबर एक से अंदर घुसकर हमला किया।
- एके-47 राइफलों और हैंड ग्रेनेड्स का इस्तेमाल करते हुए जवानों को निशाना बनाया।

हरियाणा-पंजाब से 11 दिन में 7 जासूस पकड़े

नई दिल्ली। भारत की पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बाद हरियाणा और पंजाब से 11 दिन में 7 पाकिस्तानी जासूस पकड़े जा चुके हैं। पहले 8 मई को मालेरकोटला में 2 जासूस पकड़े गए। 13 मई को पानीपत से नोमान इलाही गिरफ्तार हुआ। इसके बाद पुलिस ने हिसार, नूंह, कैथल और जालंधर से जासूस गिरफ्तार किए। जिसमें जासूसी के 6 आरोपियों का वीजा को लेकर नई दिल्ली में पाकिस्तानी एंबेसी से संपर्क हुआ।

गृह मंत्री शाह का पाकिस्तान को दो टूक संदेश

आतंक-व्यापार एक साथ नहीं चल सकते

अहमदाबाद ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में अहमदाबाद नगर निगम की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बल की कार्रवाई की प्रशंसा की। साथ ही पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। यदि उसने आतंकवाद नहीं रोका तो सिंधु नदी से एक बूंद पानी नहीं मिलेगा। हमने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। उसके एयरबेस तबाह कर दिए। अमित शाह ने कहा कि जब पीएम मोदी ने देश को संबोधित किया तो उन्होंने साफ कर दिया था कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा। पड़ोसी देश को चेतावनी देते हुए शाह ने कहा कि आतंक का कारोबार रोकने तक वह सिंधु के पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस जाएगा। आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। यदि आप आतंकवाद को पनाह देना चाहते हैं तो तमाम कारोबार खत्म कर दीजिए। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि अगर पाकिस्तान के साथ बात होगी तो वह पीओके को वापस लेने और आतंकवाद को खत्म करने को लेकर ही होगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच बनी सहमति जारी रहेगी : सैन्य अधिकारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना ने रविवार को एक नया वीडियो जारी किया। जिसमें बताया गया कि 10 मई को पाकिस्तान की जिन चौकियों से सीजफायर का उल्लंघन हुआ था, उन्हें जवाबी कार्रवाई में मिट्टी में मिला दिया गया। भारतीय सेना ने कहा है कि भारत-पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस के बीच जो सहमति बनी थी, उसकी कोई एक्सपायरी डेट (खत्म होने की तारीख) नहीं है। दोनों देशों के DGMOs के बीच 12 मई को बातचीत हुई थी। इसमें दोनों की तरफ से मिलिट्री एक्शन पर रोक लगाना तय हुआ था। आर्मी ने ये बयान इसलिए जारी किया, क्योंकि कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि दोनों देशों बीच बनी सहमति 18 मई की शाम को खत्म हो गई। इधर, DGMO लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने राहुल गांधी के विदेश मंत्री पर लगाए आरोपों पर कहा कि ऑपरेशन शुरू होने के बाद हमने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि हम आतंक के अड्डों पर हमला करेंगे। पाकिस्तान ने बातचीत से इनकार कर दिया और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी थी। विदेश मंत्रालय ने भी राहुल गांधी के आरोपों पर सफाई दी। कहा- विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है।

हैदराबाद में दर्दनाक हादसा

चारमीनार के पास इमारत में लगी आग, 17 लोगों की मौत

हैदराबाद ■ एजेंसी

हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार सुबह एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। घटना के समय इमारत में 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इनमें से 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया।

फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को 2 घंटे मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, लेकिन अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, हादसे में संपत्ति के नुकसान का अंदाजा भी नहीं लगाया जा सका है। फायर डिपार्टमेंट का कहना है कि सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बेहोशी की हालत में मिले और करीब 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ज्वेलरी की दुकानें थीं और ऊपर के फ्लोर पर लोग रहते थे। आग दुकानों में लगी और ऊपर तक फैल गई। बिल्डिंग में सिर्फ एक संकरी सीढ़ी थी, जिससे लोग बाहर नहीं निकल सके और दम घुटने से मौत हो गई।

इस वर्ष 60 प्रतिशत गेहूं उपार्जन सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम

खाद्य मंत्री की चेतावनी, योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश ने इस वर्ष गेहूं उपार्जन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश अब पूरे देश में गेहूं उपार्जन में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह जानकारी खाद्य, एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रभार के जिले गुना में जिला अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक के दौरान दी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि इस वर्ष गेहूं उपार्जन में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में एक बड़ी छलांग है। उन्होंने इसे किसानों के प्रति राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता और सुनियोजित नीति का परिणाम बताया। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हमारे प्रयासों का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य दिलाना और उपार्जन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने 60 प्रतिशत से अधिक गेहूं उपार्जन पर उपार्जन से जुड़े विभाग के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन

यादव का आभार जताया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि राज्य सरकार की सक्रिय भूमिका, समय पर समर्थन मूल्य की घोषणा तथा सुचारू परिवहन और भंडारण व्यवस्था ने इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई है।

अहिल्या माता की 300वीं जयंती वर्ष में विशेष आयोजन

महारानी अहिल्याबाई होलकर को सम्मान देने सरकार ने लिया फैसला

पहली बार इंदौर के राजवाड़ा में होगी मोहन कैबिनेट बैठक

इंदौर/भोपाल ■ विशेष संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार पुण्य श्लोका लोकमाता देवी अहिल्या बाई माता होल्कर का 300वां जयंती वर्ष पूरे हर्षोल्लास से मना रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन, स्वावलंबन, आत्म-निर्भरता और महिला कल्याण की मिसाल लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के पुण्य सम्मान में मध्यप्रदेश सरकार की मंत्रि-परिषद की बैठक 20 मई को इंदौर शहर के राजवाड़ा में होगी। यह पहली बार होगा, जब मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक राजवाड़ा जैसे ऐतिहासिक स्थल पर होगी। मुख्यमंत्री डॉ.

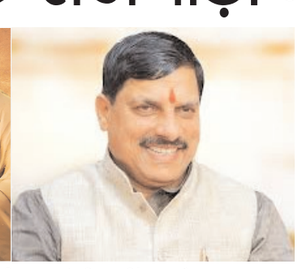

यादव ने रविवार को मीडिया के लिए जारी संदेश में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजवाड़ा में मंत्रि-परिषद की बैठक देवी अहिल्या बाई होल्कर के गौरवपूर्ण जीवन और उनके योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक पुण्य अवसर होगा। उन्होंने कहा कि राजवाड़ा भवन का निर्माण कार्य श्रीमंत मल्हार राव जी होलकर महाराज द्वारा प्रारंभ किया गया था, जिसे लोकमाता अहिल्या बाई माता ने पूर्ण कराया था, उसी स्थल पर अब मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित कर उन्हें नमन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजवाड़ा में होने वाली मंत्रि-परिषद की बैठक में राज्य की जनता के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तिथि अनुसार लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर का जयंती वर्ष, विवाह वर्षगांठ (20 मई) और महाराजा श्रीमंत मल्हार राव जी होल्कर की पुण्य-तिथि, ये तीनों सुयोग एक ही समय पर आ रहे हैं, जो इस आयोजन को और भी अधिक विशेष बनाते हैं।

20 से 31 मई तक होंगे विविध आयोजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 मई से 31 मई तक पूरे राज्य में अलग-अलग सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 19 मई को इंदौर में एक मंचीय कार्यक्रम होगा, जिसमें लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के जीवन के विविध पहलुओं को एक लघु नाटिका के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह अद्भुत प्रस्तुति नागपुर, महाराष्ट्र से आये सुघड़ कलाकारों द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की जन्म जयंती को और अधिक स्मरणीय बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 31 मई को भोपाल में भी एक बड़ा आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर, न केवल सुशासन, स्वावलम्बन और महिला सशक्तिकरण की प्रतीक थीं, बल्कि उन्होंने विधवा पुनर्विवाह और कई जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से तत्कालीन समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की जयंती वर्ष पर हमें चाहिए कि हम सब उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और अपने महापुरुषों का स्मरण करते हुए समाज को एक नई प्रेरणा दें और अपने देश व प्रदेश के विकास के लिए सक्रिय होकर सहभागी बनें।

ब्रीफ न्यूज़

सौरभ शर्मा केस में नेताओं की बढ़ सकती है मुश्किलें कॉल डिटेल में बातचीत के सबूत, चालान में कुछ नेताओं के नाम संभावित

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा मामले में नेताओं की मुश्किल बढ़ सकती है। सूत्रों के मुताबिक, कॉल डिटेल में कुछ नेताओं से बातचीत के सबूत मिले है। लोकायुक्त पुलिस के चालान में कुछ नेताओं के नाम भी संभावित है। एमपी के पूर्व आरटीओ सौरभ शर्मा केस में नेताओं की मुश्किलें बढ़ सकती है। लोकायुक्त पुलिस इस पूरे मामले में 40 से अधिक लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। चालान में कुछ नेताओं के नाम भी संभावित है। बताया जा रहा है कि लोकायुक्त पुलिस जून माह के अंत तक न्यायालय में चालान पेश कर सकती है। गौरतलब है कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की थी। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा पर आरोप है कि उसने गलत तरीके से करोड़ों की संपत्ति बनाई है। उसने यह संपत्ति अपने और अपने रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी थी। जांच में पता चला कि चेतन सिंह गौर नाम के एक व्यक्ति की इनोवा गाड़ी से जो 11 करोड़ कैश और 52 किलो सोना मिला था। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी और जांच जारी है। अभी बहुत सारे पहलुओं में बहुत कुछ साफ होना है। वहीं विपक्ष ने सरकार सहित परिवहन मंत्री पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। फिलहाल मामले में लोकायुक्त, ईडी और ईओडब्ल्यू जांच कर रही है।

टीबी इलाज में सही दवा और पूरा कोर्स जरूरी बकानिया में चलाया दवाओं के दुष्प्रभावों पर निगरानी अभियान

भोपाल। सिर्फ दवा खाने से बीमारी ठीक नहीं होती, उसे सही तरीके से, समय पर और पूरा कोर्स लेना बेहद जरूरी है। यह बात एम्स भोपाल के विशेषज्ञों ने शहर के बकानिया स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में फामाकीविजिलेंस (दवाओं के दुष्प्रभावों की निगरानी) अभियान के दौरान कही। इस दौरान मौजूद लोगों को टीबी के इलाज और उसके महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह के मुताबिक यह कार्यक्रम खासकर स्थानीय महिलाओं के लिए आयोजित किया गया था, जिसे फामाकीलॉजी विभाग और सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने मिलकर संचालित किया। विशेषज्ञों ने बताया कि दवाओं के दुष्प्रभावों को समय पर रिपोर्ट करना और टीबी मरीजों पर डीओटी (डायरेक्टली ऑब्जर्व्ड ट्रीटमेंट) थेरेपी के असर का रिकॉर्ड रखना जरूरी है।

भोपाल के बड़े तालाब में डूबने से कारोबारी की मौत पत्नी के साथ शीतलदास की बगिया गए थे, गहरे पानी में जाने से गई जान

भोपाल। भोपाल की शीतलदास की बगिया में डूबने से बाइक पार्टस कारोबारी की मौत हो गई। हादसा रविवार की सुबह साढ़े नौ बजे का है। गोताखोरों की मदद से शव को करीब 11 बजे तलाशा जा सका। रविवार की दोपहर पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। श्यामला हिल्स पुलिस के मुताबिक राजेश जैन (51) निवासी ग्रीन पार्क कॉलोनी डीआईजी बंगला बाइक पार्ट्स बेचने का काम करते थे। उनकी दुकान बैरसिया रोड पर थी। इसी के साथ वे एक सर्विस स्टेशन का भी संचालन करते थे। इन दिनों ईदगाह हिल्स के एक स्विमिंग पूल में तैराकी सीखने जा रहे थे। हालांकि उन्हें तैरना नहीं आया था। रविवार की सुबह पत्नी को साथ लेकर शीतलदास की बगिया गए। यहां से वह बड़े तालाब में तैरने के लिए उतर गए। तैरते समय गहरे पानी में जाने के बाद पत्नी को दिखना बंद हो गए। तत्काल पत्नी ने शोर मचाकर मदद मांगी। न्यू मार्केट में रहने वाले अपने जेठ को कॉल कर जानकारी दी।

एम्स द्वारा फामाकीविजिलेंस एवं टीबी उपचार पर जागरूकता का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में फामाकीलॉजी विभाग ने कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सहयोग से बकानिया (भोपाल) स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में फामाकीविजिलेंस और क्षय रोग (टीबी) की डॉट थेरेपी के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एक जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को यह समझाना था कि फामाकीविजिलेंस, यानी औषधियों के दुष्प्रभावों की निगरानी, दवाओं के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, इस अभियान के माध्यम से टीबी के मरीजों को डॉट थेरेपी का पूरा कोर्स करने के लिए प्रेरित किया गया और उनके संदेहों का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान संवादात्मक सत्रों और सहभागिता आधारित चचाओं के जरिए यह बताया गया कि दवाओं के दुष्प्रभावों की जानकारी देना क्यों जरूरी है और टीबी की दवाएं समय पर तथा पूरी तरह से लेना कितना महत्वपूर्ण है। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि डॉट थेरेपी का पालन न केवल मरीज के पूरी तरह ठीक होने के लिए आवश्यक है, बल्कि यह दवा-प्रतिरोधी टीबी को रोकने, बीमारी के फैलाव को कम करने और समग्र जनस्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी अहम भूमिका निभाता है। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, ऐसे जागरूकता अभियान स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होते है।

नवाचार से गतिमान हुआ सहकारी आंदोलन एक वर्ष की उपलब्धियाँ

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग में नित नये नवाचार किये जा रहे हैं और नवाचार से गति पकड़ता जा रहा है मध्यप्रदेश सहकारी आंदोलन गतिमान हुआ है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भोपाल के राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन में बताया कि राज्यों में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा। उन्होंने शत-प्रतिशत उपलब्धि के लिये प्रदेश की सराहना की। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के लिये लगभग हर माह सहकारिता संबंधी आयोजन करने का संकल्प लेकर काम किया जा रहा है। इसमें अधिकारियों-कर्मचारियों के आचरण और व्यवहार की ऑनलाइन ट्रेनिंग करवायी जा रही है। नवाचार और अच्छा कार्य करने वालों को साल के अंत में उत्कृष्ट कर्मी के रूप में सम्मानित भी किया जायेगा। सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिये मध्यप्रदेश की हर पंचायत पर पैक्स स्थापित किये जायेंगे। सहकारिता के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिये विभाग के तहत सभी स्तर के विभागीय कार्यालय, सहकारी संस्थाओं में स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता दिवस कार्यक्रम मनाया गया। नई दिल्ली के इण्डिया हेबिटेड सेंटर में आयोजित 100वें राष्ट्रीय स्कॉच समिट में मध्यप्रदेश के सहकारिता विभाग के राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) को उनके फर्टिलाइजर सप्लाई चैन ऑटोमेशन प्रोजेक्ट आईएफएसएस को प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के तहत सहकारिता क्षेत्र में कुल 2305 करोड़ राशि में 19 एमओयू हुए। यह एक क्रांतिकारी पहल है, जब नये सीपीपीपी मॉडल के तहत इतने एमओयू सहकारिता क्षेत्र में हुए। विभाग की गतिविधियों पर निरन्तर ध्यान दिया जा रहा है। सहकारिता विभाग में 25 कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति दी गयी। अब विभाग में अनुकम्पा नियुक्ति का एक भी प्रकरण लंबित नहीं है। इसी प्रकार अपेक्स बैंक एवं जिला सहकारी बैंकों में आईबीपीएस से भर्ती प्रक्रिया की जा रही है। अपेक्स बैंक में 47 अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण हुई है और 197 की भर्ती प्रक्रियाधीन है। जिला सहकारी बैंकों में 1099 समिति प्रबंधक और 1568 बैंकिंग सहायक की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की गयी है और 2675 पदों पर भर्ती की अनुमति प्राप्त कर ली गयी है। मध्यप्रदेश में भारत सरकार से प्राप्त मॉडल बायलॉज सभी पैक्स में लागू कर पैक्स को बहुउद्देश्यीय बनाया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एम-पैक्स की स्थापना की जा रही है। प्रथम चरण में 637 नये एम-पैक्स के गठन की कार्यवाही शुरू है। प्रदेश में ग्रामीण स्तर पर बैंकिंग सुविधा आमजन को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों की 773 शाखाओं और उनसे संबद्ध 4000 पैक्स संस्थाओं द्वारा लगभग 4800 माइक्रो एटीएम का संचालन किया जा रहा है। माइक्रो एटीएम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में सरल एवं शीघ्र लेन-देन की बैंकिंग सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं।

मध्यप्रदेश सरकार किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम कर रही है। बीज संघ को उन्नत स्तर पर पहुँचाने का प्रयास जारी है। बीज संघ से चीता बीज के नाम से नया ब्रॉण्ड लांच किया जा रहा है। पैक्स के माध्यम से चीता बीज का वितरण किया जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में मध्यप्रदेश ने भी कैलेण्डर बनाकर सहकारी आंदोलन के माध्यम से लोगों को जोड़ने और पारदर्शिता लाने का काम किया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के माध्यम से सेवाओं की पूर्ति पर भी काम किया जा रहा है। गाँव की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर 3 शीर्ष स्तर की संस्थाएँ बनायी गयी हैं। इससे सहकारी आंदोलन सशक्त हुआ है। भारत सरकार द्वारा देश की सभी सहकारी संस्थाओं की जानकारी राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस (एनसीडी) पोर्टल पर अपलोड करायी जा रही है। मध्यप्रदेश की सभी सहकारी संस्थाओं की एन्ट्री पोर्टल पर कर दी गयी है। मध्यप्रदेश, भारत सरकार की सहकारिता की गतिविधियों में लगातार कदम से कदम मिलाकर सहकारिता आंदोलन को गति देने का काम कर रहा है।

इंदौर-भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया

सीएम बोले- नगरीय क्षेत्रों के तीव्र विस्तार के लिए सुनियोजित विकास आवश्यक

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश में प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों के विकास को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटिन एरिया गठन से संबंधित बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों का तेजी से विस्तार हो रहा है। जनसामान्य को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और औद्योगिक एवं

व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नगरीय क्षेत्रों के व्यवस्थित नियोजन को समय रहते सही दिशा देना जरूरी है। इंदौर-उज्जैन-देवास-धार और भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ़) को मिलाकर प्रदेश में दो मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकसित किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों के नगरीय निकायों और विकास प्राधिकरणों के प्रबंधन को सशक्त करते हुए संस्थाओं की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। प्रस्तावित क्षेत्रों में वर्तमान में पर्याप्त औद्योगिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। मेट्रोपॉलिटन के रूप में विकास से यहां निवेश और औद्योगिक विकास की प्रक्रिया तेज होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटिन एरिया गठन से संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

भोपाल के 4 रूट्स पर दौड़ रहे ई-रिक्शा होंगे बैन ट्रैफिक पुलिस ने बनाया प्लान

11 हजार ई-रिक्शा को मुख्य सड़कों से हटाने की तैयारी

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

सड़कों पर बिना परमिट ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं। भोपाल में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए प्रशासन अब ई-रिक्शा पर सख्ती के मूड में है। बिना परमिट और बेतरतीब तरीके से चल रहे करीब 11 हजार ई-रिक्शा को अब शहर की प्रमुख सड़कों से हटाने की तैयारी की जा रही है। सड़क सुरक्षा समिति ने पहले चरण में वीआईपी रोड, लिंक रोड नंबर 1 और 2 और होशंगाबाद रोड से ई-रिक्शा के संचालन पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया है। बता दें कि इन दिनों भोपाल की सड़कों पर करीब 11 हजार ई रिक्शा बिना परमिट दौड़ रहे हैं, वहीं पिछले तीन सालों में 8700 से ज्यादा ई-रिक्शा खरीदे गए हैं। बिना परमिट के चल रहे ई-रिक्शा, ट्रैफिक में बढ़ा रहे परेशानी ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, ई-रिक्शा के संचालन को लेकर न तो कोई स्पष्ट गाइडलाइन है और न ही परिवहन विभाग से इन्हें परमिट लेना अनिवार्य है। पुलिस उपायुक्त (यातायात) संजय कुमार सिंह ने बताया कि ई-रिक्शा को शासन की ओर से परमिट की छूट मिली हुई है। इनके ऊपर सामान्य परमिट नियम लागू नहीं होते। यही वजह है कि ये वाहन मनमाने तरीके से किसी भी मार्ग पर चलते हैं और कहीं भी खड़े हो जाते हैं, जिससे ट्रैफिक बाधित होता है।

सिटी बस से कॉलोनी तक कनेक्टिविटी देना था: संजय कुमार सिंह ने बताया कि ई-रिक्शा शुरू करने का उद्देश्य था कि ये कॉलोनियों से सिटी बस स्टॉप तक कनेक्टिविटी दें, लेकिन वर्तमान में ये मुख्य मार्गों पर ही अधिकतर देखे जा रहे हैं। हमने प्रस्ताव दिया है कि ई-रिक्शा को प्रमुख मार्गों से हटाकर उन्हें उनके मूल उद्देश्य के अनुरूप सीमित क्षेत्रों में संचालित किया जाए।

भोपाल में मौलाना गैंग का एक और सदस्य गिरफ्तार

आरोपी शरीफ बच्चा ने की थी फायरिंग, 12 दिन से था फरार,जुलूस निकाला

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

भोपाल की टीला जमालपुरा पुलिस ने जुबेर मौलाना गैंग के सदस्य शरीफ बच्चा को गिरफ्तार कर किया है। आरोपी ने इंद्रा नगर में रहने वाले बदमाश साद के साले फैसल पर 6 मई को फायरिंग की थी। इसके बाद से ही फरार चल रहा था। 12 मई को पुलिस ने आरोपी जुबेर मौलाना सहित केस के अन्य तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपी शरीफ ने जहां फायरिंग की थी, रविवार को उसका वहीं जुलूस निकाला गया।

घटना के बाद से था फरार: 6 मई को जुबेर मौलाना ने अपने 10-12

साथियों के साथ साद निवासी मंगलवारा के घर पहुंच कर साद समझ कर सैफ के ऊपर जान से मारने की नीयत से अवैध फायर आर्म्स से फायर किया। इसके बाद साद के साले फैसल जो कि इंद्रानगर थाना टीला जमालपुरा मे रहता है, उसके घर पर जुबेर मौलाना व उसके लगभग 10-12 साथियों ने आकर अवैध फायर आर्म्स से हवाई फायर किया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी।

ऐसे पकड़ा गया अपराधी शरीफ बच्चा: रविवार को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि इस्लामी गेट के पास बैरसिया बस स्टैण्ड पर जुबेर मौलाना का गुर्गा शरीफ उर्फ बच्चा भोपाल से भागने की फिराक में खड़ा है। जिस के बाद पुलिस ने आरोपी शरीफ को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

भोपाल के केरवा डैम में डूबने से आईटीआई छात्र की मौत

तैरना नहीं आता था दोस्तों की आंखों के सामने डूब गया

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

भोपाल के केरवा डैम में डूबने से कच्छक छात्र की मौत हो गई। युवक दोस्तों के साथ पार्टी करने गया था, तब हादसा हुआ। उसे तैरना नहीं आता था। इसके बाद भी उसने गहरे पानी में छलांग लगा दी। दोस्तों ने बचाने का प्रयास किया लेकिन उसकी जान नहीं बचा सके। क्योंकि किसी को भी तैरना नहीं आता था। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना शनिवार शाम की है, पीएम के बाद शव रविवार की दोपहर को परिजन को सौंप दिया गया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान अयोध्या नगर निवासी अमन विश्वकर्मा (18) के रूप में हुई। वह आईटीआई का छात्र था। रातीबड़ पुलिस ने मामला जांच में लिया है। एसआई गब्बर सिंह ने बताया कि शुरूआती जांच में पता चला है कि अमन के किसी भी दोस्त को तैरना नहीं आता था। पानी में छलांग लगाने से पहले दोस्तों ने उसे रोका भी था। इसके बाद भी अमन ने पानी में छलांग लगा दी। पुलिस हर एंगल पर मामले की जांच कर रही है। दोस्त ने पुलिस को दी हादसे की सूचना पुलिस को सूचना अमन के दोस्त विक्रम साहू से मिली। उसने पुलिस को बताया कि आंखों के सामने अमन डूब गया। अमन ने जिस जगह छलांग लगाई। उस जगह पानी की गहराई का किसी को अंदाजा नहीं था। देखने में पानी कम लग रहा था, लेकिन उसकी गहराई बहुत ज्यादा थी। कपड़ा फेंककर उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन जान नहीं बचा सके। अमन के पिता मंडीदीप स्थित फैक्ट्री में काम करते हैं।

फामेर्सी काउंसिल खुद करेगी रजिस्ट्रार की नियुक्ति

छात्रों को प्रमाण-पत्र पाने नहीं करना होगा लंबा इंतजार

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

बी.फार्मा और एम.फार्मा करने वाले छात्रों को प्रमाण-पत्र पाने के लिए अब लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मप्र फामेर्सी काउंसिल में व्यवस्थागत सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अब काउंसिल स्वयं अपना रजिस्ट्रार नियुक्त करेगी। यह निर्णय हाल ही में हुई 119वीं बैठक में लिया गया। अभी तक छात्र ऑनलाइन आवेदन के बावजूद एक से डेढ़ साल तक प्रमाण-पत्र का इंतजार करते रहे हैं, जिससे न केवल उनका समय खराब होता था, बल्कि करियर पर भी असर पड़ता था। अब नए फैसले से इस प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। जहां तक रजिस्ट्रार की नियुक्ति का सवाल है तो अब फामेर्सी काउंसिल एक पैनल तैयार कर विभागीय अधिकारी को भेजेगी, जिसके माध्यम से बी.फार्मा या डी.फार्मा डिग्रीधारी को फुल टाइम रजिस्ट्रार बनाया जाएगा। इससे पहले यह प्रक्रिया पूरी तरह से राज्य सरकार के अधीन थी। अब काउंसिल की भूमिका बढ़ेगी, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति दोनों आएगी।

चार साल का होगा कार्यकाल: फामेर्सी एक्ट 1948 की धारा 26 के तहत यह व्यवस्था लागू होगी। इसके अनुसार, रजिस्ट्रार की नियुक्ति राज्य सरकार की अनुमति से की जाएगी और पहली बार गठित होने के चार साल तक रजिस्ट्रार राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा, जो सरकार की इच्छा तक पद पर बना रहेगा।

केंद्र को भी भेजी गई जानकारी

इस निर्णय की जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय को भी भेजी गई है। साथ ही, सभी राज्य सरकारों को इस बारे में सर्कुलर जारी कर दिया गया है, जिसमें 9 सितंबर 1997 के पुराने आदेश और फामेर्सी एक्ट की प्रासंगिक धारा का हवाला दिया गया है।

भारतीय सेना ने रचा शौर्य और पराक्रम का नया इतिहास: मुख्यमंत्री

वीर सैनिकों के सम्मान में उमड़ा जनसैलाब, देशभक्ति के नारों से गूंजा बैरसिया

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्तमान युग में एक नई शक्ति के रूप में उभर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर से थल, वायु और नौसेना ने अद्वितीय साहस और पराक्रम का परिचय देते हुए दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारतीय सेना ने मात्र 4 दिन के अल्प समय में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। इस अभियान ने दुनिया को भारत की सैन्य क्षमता, एकजुटता और आधुनिक तकनीकी सामर्थ्य का परिचय दिया है। आतंकवाद के मंसूबों को ध्वस्त किया गया है। आज कोई भी शक्ति भारत की प्रगति को रोक नहीं सकती। हम सभी इस तिरंगा यात्रा से भारतीय सेना को सम्मान देने के लिए एकत्र हुए हैं। यह तिरंगा यात्रा ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक निरंतर आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को भोपाल जिले के बैरसिया में वीर सैनिकों के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे शूरवीरों ने पाकिस्तान को आधी रात में ऐसा सबक सिखाया कि पाकिस्तान के साथ दुनिया के 200 देश में से सिर्फ दो देश साथ आए- एक तुर्किए और दूसरा अजरबैजान। अब देश की जनता तुर्किए का बहिष्कार कर रही है और भविष्य में अजरबैजान के साथ भी ऐसा ही होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा यात्रा मार्ग में उपस्थित जनसमूह का अभिवादन किया। पूरा बैरसिया देशभक्ति की भावना से सराबोर हो उठा। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के गगनभेदी नारों से वातावरण गूंज उठा। इस यात्रा में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु वर्ग के नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। हर धर्म, जाति और वर्ग के लोगों ने देश के प्रति अपनी निष्ठा और वीर जवानों के प्रति सम्मान प्रकट किया। विधायक श्री विष्णु खत्री ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आतंकियों का खात्मा किया है। आज की यह विशाल तिरंगा यात्रा हमारे वीर सैनिकों के सम्मान में आयोजित की गई है। परमाणु शक्ति का डर दिखाने वाला पाकिस्तान 4 दिन में घुटनों पर आ गया। यह भारतीय सेना के पराक्रम और नेतृत्व का कमाल है। सभा में अन्य वक्ताओं ने कहा कि देश और प्रदेश में आज मजबूत सरकारें हैं। जनता के कल्याण के सभी कदम उठाए गए हैं। इस अवसर पर सांसद श्री आलोक शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रामकुंवर नवरंग गुर्जर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती लता गुर्जर,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती तनुश्री राठौड़,श्री तीरथ सिंह मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी साथ थे।

भोपाल के वृंदावन ढाबा में कर्मचारियों की गुंडागर्दी, युवक के साथ की गई बेरहमी से मारपीट

खराब खाने को लेकर ग्राहक और कर्मचारियों के बीच हुआ विवाद

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

राजधानी भोपाल के मिसरोद थाना क्षेत्र में स्थित वृंदावन वन ढाबे पर देर रात एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां खराब खाने को लेकर हुए विवाद में ढाबे के कर्मचारियों ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। घटना शुक्रवार देर रात करीब 3 बजे की है जब अनुराग नामक युवक और ढाबा कर्मचारियों के बीच खाने की गुणवत्ता को लेकर बहस शुरू हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद इतना बढ़ गया कि ढाबे के स्टाफ ने युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान अनुराग के सिर पर गंभीर चोटें आईं। बताया जा रहा है कि विवाद सिर्फ खराब खाने को लेकर था, लेकिन कर्मचारियों ने बेहद आक्रामक रवैया अपनाते हुए मारपीट शुरू कर दी। ढाबा देर रात तक, करीब 3 बजे तक खुला हुआ था, जो नियमों का भी उल्लंघन है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस ढाबे पर अक्सर देर रात तक भीड़ रहती है और इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मिसरोद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने ढाबा कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

निष्कर्ष: भोपाल जैसे बड़े शहर में इस तरह की घटनाएं कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। स्थानीय प्रशासन को ऐसे ढाबों की निगरानी बढ़ानी चाहिए जो देर रात तक नियमों का उल्लंघन करते हुए खुले रहते हैं। साथ ही ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

कहां अटक गई मध्यप्रदेश के सीनियर ब्यूरोक्रेट्स की सूची

अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव के तबादले के लिए सीएम और सीएस तैयार

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मप्र में आईएएस अफसरों के तबादले लगातार हो रहे हैं। लेकिन जिसे बड़े तबादले का सभी को इंतजार है, वह सूची न जाने कहां अटक गई है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के बीच अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिवों के तबादले के लिए सहमति बन गई है। यही नहीं तबादले की सूची भी बनकर तैयार है। लेकिन सीनियर ब्यूरोक्रेट्स की सूची कहां अटक गई है, जिसका सभी को इंतजार है। गौरतलब है कि प्रदेश में आए दिन दो-चार-छह आईएएस अफसरों के तबादले होते रहते हैं। सरकार अभी तक जिलों में अफसरों की जमावट करती रहती है। लेकिन प्रदेश में एक और बड़ी प्रशासनिक सर्जरी होने वाली है। इस प्रशासनिक फेरबदल में अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों की नई पदस्थापना की जाएगी। जानकारों का कहना है मोहन सरकार के पिछले एक साल के शासन काल के दौरान जो अधिकारी बेस्ट परफॉर्मर रहे हैं, उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। सीएम सचिवालय के अधिकारियों का कहना है कि अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों की नई पदस्थापना को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के बीच चर्चा हो चुकी है और सूची बन भी गई है।

सहमति के बाद भी सूची अटकी

गौरतलब है कि आईएएस अफसरों की बहुप्रतीक्षित तबादला सूची का अफसरों का इंतजार है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के बीच आईएएस के ट्रांसफर को लेकर सहमति बन गई है, लेकिन तबादला सूची जारी नहीं होने से ब्यूरोक्रेसी में उत्सुकता बनी हुई है। इस प्रशासनिक फेरबदल में अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों की नई पदस्थापना होना है। कुछ कलेक्टर भी बदले जाने हैं। दरअसल, वर्तमान में मप्र कैडर के एसीएस और पीएस रैंक के 15 अधिकारी केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं। यही वजह है कि कई एसीएस और पीएस के पास विभागों का अतिरिक्त प्रभार है। चूंकि अधिकारी अतिरिक्त प्रभार वाले विभागों पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं, वे सिर्फ रुटीन की फाइलें आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे इन विभागों में कामकाज प्रभावित हो रहा है। लोक निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विभाग का प्रभार गत नवंबर से एसीएस नीरज मंडलोई के पास है। मंडलोई पूर्व से ऊर्जा जैसे बड़े विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसे देखते हुए पिछले चार महीने से आईएएस अफसरों के तबादले को लेकर सुगबुगाहट चल रही है, पर तबादला आदेश जारी नहीं हो पाया है। अधिकारियों को भी तबादला सूची जारी होने का बेसब्री से इंतजार है।

अतिरिक्त प्रभार से मिलेगी राहत

मंत्रालयीन सूत्रों का कहना है कि नई तबादला सूची में अतिरिक्त प्रभार वाले अफसरों को राहत दी गई है। यानी जिन अफसरों के पास एक से अधिक विभाग हैं, उनसे अन्य विभाग लेकर दूसरे अफसरों को जिम्मेदारी दी जाएगी। वर्तमान समय में कई अफसरों के पास अतिरिक्त प्रभार है। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा के पास एसीएस जल संसाधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई के पास लोक निर्माण जैसे बड़े विभाग का अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार है। मंडलोई की लोक निर्माण विभाग में बहुत ज्यादा रुचि नहीं है। वे सिर्फ रुटीन की फाइलें ही आगे बढ़ाते है। अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल के पास सहकारिता का अतिरिक्त प्रभार, अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनू श्रीवास्तव के पास खेल एवं युवा कल्याण का अतिरिक्त प्रभार, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय दुबे के पास साइंस एवं टेक्नोलॉजी का अतिरिक्त प्रभार, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन के पास संसदीय कार्य व उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग का अतिरिक्त प्रभार है। ऐसे ही अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय शुक्ला के पास विमानन का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर अमित राठौर के पास कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव खाद्य रश्मि अरुण शमी के पास महिला-बाल विकास का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग दीपाली रस्तोगी के पास आयुक्त विकास का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिव शेखर शुक्ला के पास प्रमुख सचिव धर्मस्व विभाग का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव मत्स्य विभाग डीपी आहुजा के पास प्रमुख सचिव आयुष विभाग अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव उद्योग व एमएसएमई राघवेंद्र कुमार सिंह के पास आनंद विभाग का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव के पास आयुक्त खाद्य सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार है। उमाकांत उमराव के पास पीएस पशुपालन एवं डेयरी विभाग, विवेक पोरवाल के पास आयुक्त राहत एवं पुनर्वास, नवनीत मोहन कोठारी के महानिदेशक एफ्को का अतिरिक्त प्रभार है। इसके अलावा कुछ सचिव व अपर सचिव स्तर के अधिकारियों के पास दूसरे विभागों का अतिरिक्त प्रभार है। पिछले दिनों में कई अधिकारी सचिव और प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नत हो चुके हैं। उनकी जिम्मेदारियों में भी परिवर्तन किया जा सकता।

भारत सरकार से विभाग के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

एमपी के 700 स्कूलों में शुरू होगी व्यावसायिक शिक्षा

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में लगभग 700 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत लाए जाने की पहल की जा रही है। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर भारत सरकार को भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिल गई है। मध्यप्रदेश में वर्तमान समय में बदलती मांग और जरूरतों को देखते हुए विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा से भी जोड़ने की अनूठी पहल की जा रही है। यह नवाचार समग्र शिक्षा अभियान लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल (डीपीआई) द्वारा किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लगभग 700 अतिरिक्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत लाए जाने की पहल की जा रही है। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर भारत सरकार को भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिल गई है।

विद्यालयों की संख्या 3000 से अधिक

स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक और समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा के प्रभारी अभिनव आर्य ने बताया कि वर्तमान के 2383 विद्यालयों में यह पाठ्यक्रम पूर्व से संचालित हैं। नए प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद कुल व्यावसायिक शिक्षा संचालित विद्यालयों की संख्या 3000 से अधिक हो जाएगी। आर्य ने बताया कि वर्तमान सत्र में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में कुल नामांकित विद्यार्थियों की संख्या 4 लाख 6 हजार 585 है। इन विद्यार्थियों को 14 ट्रेड एवं 30 जॉब रोल्स के तहत शिक्षा दी जा रही है।

इनके लिए भेजा गया था प्रस्ताव

21वीं शताब्दी की मांग और बदलते परिदृश्य को देखते हुए नवीनतम जॉब रोल्स जैसे वेब डेवलपर, उन्नत कृषि को ब?ावा देने हेतु कृषि ट्रेड अंतर्गत किसान ड्रोन ऑपरेटर, डेयरी एंटरप्रेन्योर, डेरी फार्मर, कन्स्ट्रक्शन ट्रेड के अंतर्गत सहायक राजमिस्त्री, एवं निर्माण पेंटर एंड डेकोरेटर, अपेरल ट्रेड के अंतर्गत असिस्टेंट डिजाइनर, फैशन, होम एंड मेकअप, आफिस एडमिनिस्ट्रेशन एंड फेसिलिटी के अंतर्गत आफिस असिस्टेंट एवं सीक्रेटरी के जॉब रोल्स प्रारम्भ किए जाना प्रस्तावित है। इसके लिए प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया था। अब इसे ही मंजूरी मिली है।

ऑनलाइन शॉर्ट टर्म व्यावसायिक कोर्स होंगे शुरू

असिस्टेंट डॉयरेक्टर, समग्र शिक्षा अभियान, भोपाल के अभिनव आर्य ने बताया कि वर्तमान समय की मांग और भविष्य के बदलावों को देखते हुए विद्यार्थियों में स्किल्स डेवलपमेंट के लिए ऑनलाइन शॉर्ट टर्म व्यावसायिक कोर्स संचालित किए जाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रति विद्यालय 2 ट्रेड में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाती है, जिसके अंतर्गत व्यावसायिक कौशल के साथ साथ रोजगार कौशल विषय भी पढ़ाया जाता है। प्रत्येक विद्यालय में संबंधित ट्रेड की उन्नत लैब स्थापित की जाती है एवं औद्योगिक भ्रमण, अतिथि व्याख्यान, 80 घंटे की ऑन द जॉब ट्रेनिंग आदि के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है।

स्वास्थ्य विभाग की महिला अधिकारी छह हजार की रिश्वत लेते पकड़ाई

सीहोर। भैरूंदा स्वास्थ्य विभाग की ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर और प्रभारी लेखापाल निशा अचले द्वारा हर उप-स्वास्थ्य केंद्र से बिल-बाउचर जमा करने के बदले 2 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायत के बाद उन्हें रंगे हाथ पकड़ा गया है। सीहोर जिले के भैरूंदा स्वास्थ्य विभाग की ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर और प्रभारी लेखापाल निशा अचले को 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त पुलिस ने रंगे हाथ पकड़ा है। लोकायुक्त पुलिस ने यह कार्रवाई शुक्रवार रात के समय की, जब वह अपने घर के बाहर रिश्वत की राशि ले रही थीं। जानकारी के अनुसार, भैरूंदा क्षेत्र के गांव खजूरी की सीएचओ नर्मदी अश्वारे ने 15 मई को भोपाल लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक दुर्गेश राठौर को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि भैरूंदा क्षेत्र में 27 उप-स्वास्थ्य केंद्र हैं। प्रत्येक केंद्र को वार्षिक 50 हजार रुपए और वेलनेस एक्टिविटी के लिए 5 हजार रुपए मिलते हैं। भैरूंदा स्वास्थ्य विभाग की ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर और प्रभारी लेखापाल निशा अचले द्वारा हर उप-स्वास्थ्य केंद्र से बिल-बाउचर जमा करने के बदले 2 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी।

घर के बाहर 6 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ी गई : शिकायत के सत्यापन के बाद 16 मई को लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक भोपाल के निर्देशन में ट्रैप टीम बनाई गई। ट्रैप टीम में डीएसपी दिलीप झारबड़े, निरीक्षक उमा कुशवाह, प्रधान आरक्षक रामदास कुर्मी, नेहा परदेशी, यशवंत, आरक्षक चैतन्य प्रताप सिंह, अमित विश्वकर्मा और हिम्मत सिंह शामिल थे। शुक्रवार रात ट्रैप टीम ने भैरूंदा स्वास्थ्य विभाग की ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर और प्रभारी लेखापाल निशा अचले के घर पर छापामार कार्रवाई की। योजना के अनुसार, महिला अधिकारी निशा अचले को घर के बाहर बुलाकर भैरूंदा के गांव खजूरी की सीएचओ नर्मदी अश्वारे ने 6 हजार रुपए की रिश्वत दी। लोकायुक्त की टीम ने निशा अचले को उनके घर के बाहर सड़क पर 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

डॉ. मुरली मनोहर जोशी और स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज के बीच राष्ट्रीय चेतना पर गहन विमर्श

भोपाल। देश में सेना के सम्मान को लेकर छिड़ी बहस अब केवल सियासी गलियारों तक सीमित नहीं रही। संत समाज भी अब खुलकर राष्ट्र रक्षा और सैनिक गरिमा के पक्ष में खड़ा हो गया है। मध्यप्रदेश के एक मंत्री द्वारा सेना की अधिकारी कर्नल शोफिया कुरैशी के विरुद्ध दिए गए आपत्तिजनक बयान के बाद देशभर में रोष है। इस घटनाक्रम ने भाजपा के वरिष्ठतम नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी को भी मर्माहत कर दिया है। पंचायती श्रीनिरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज ने नई दिल्ली स्थित डॉ. जोशी के आवास पर मुलाकात कर इस विषय पर गहन चर्चा की। दोनों राष्ट्रनिष्ठ व्यक्तित्वों के बीच हुई इस विशेष बैठक में भारतीय सेना की गरिमा, भाजपा की मूल विचारधारा और देश की वर्तमान राजनीतिक संस्कृति पर गंभीर विमर्श हुआ। डॉ. जोशी ने अपने स्पष्ट शब्दों में पार्टी नेतृत्व को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि, भाजपा की स्थापना कार्यकर्ताओं के बल पर, सेवा और सिद्धांतों की नींव पर हुई थी, न कि सत्ता के उन्माद में राष्ट्र की सेना का अपमान सहने के लिए।

चार साल पुराना नीम का पेड़ काटने पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

शहर के कटारा थाना इलाके में लगे चार साल पुराने एक पेड़ को अज्ञात लोगो द्वारा काट दिये जाने से यहाँ के रहवासियो में गुस्सा फैला हुआ है। पेड़ काटने का विरोध करने रहवासी और बच्चे शिकायत करने पुलिस थाने पहुंच गए। नाराज लोगों ने पुलिस से आपराधिक केस दर्ज करने की मांग करते हुए लिखित शिकायत की है। कॉलोनी समिति के अध्यक्ष का कहना है कि यह बहुत गंभीर घटना है, और इस ऐसी घटनाओ पर अकुंश लगाने के लिये पेड़ की हत्या का केस दर्ज किये जाने की मांग की गई है।

पेड़ काटने की यह घटना बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी की है। कॉलोनी विकास समिति के अध्यक्ष, उमाशंकर तिवारी का कहना है, कि कॉलोनी के एचआईजी 257 के सामने एवं नवनिर्मित स्कूल की बाउंड्री के पास ही 12 जून 2021 को एक पीपल का पेड़ लगाया गया था, जो अब 20 फीट तक बरूा और काफी सुदंर हो गया था। इस पेड़ को दो दिन पहले अज्ञात आरोपियो ने जड़ से काट दिया है। इससे कॉलोनीवासियो को काफी दुख पहुंचा है। उनका कहना है कि यह जानबूझकर पेड़ की हत्या किया जाना प्रतीत होता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी पेड़ों की कटाई मानव हत्या से बड़ा अपराध बताया है। इसलिये इस प्रकरण में भी अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाये। तिवारी ने उदाहरण देते हुए बताया कि हमीरपुर में भी पेड़ को टक्कर मारने पर ट्रक के ऊपर मामला दर्ज किया गया जा चुका है। इस प्रकरण में भी अज्ञात पर हत्या का प्रकरण दर्ज हो और सीसीटीवी की मदद से उसे तलाश कर ऐसी ही कड़ी कार्यवाही की जाए, जैसे किसी व्यक्ति की हत्या के बाद की जाती है, क्योंकि आने वाले समय में हमें जिंदा रहने के लिए पेड़ों को बचाना बहुत जरूरी है। अध्यक्ष तिवारी का कहना है कि फिलहाल भोपाल के कटारा थाने पहुंचकर हत्या का मामला दर्ज करने के लिए शिकायती आवेदन दिया है। यदि केस दर्ज नहीं हुआ तो पुलिस कमिश्नर, कलेक्टर की जनसुनवाई में जाकर मामला दर्ज किये जाने की मांग करेंगे।

सेवा भारती महावीर मंडल द्वारा बालिकाओं को दिया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

भोपाल ।सेवा भारती महावीर मंडल और भोपाल पुलिस द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर,कोटरा में दो दिवसीय विशेषज्ञ और अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा 55 बालिकाओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक और प्रभावी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया एवं आत्मरक्षा के कौशल सिखाकर उन्हें सुरक्षा और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ साथ आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना था सेवा भारती द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

इस कार्यक्रम में सुरेंद्र सिंह सोलंकी संगठन मंत्री मध्य भारत प्रांत सेवा भारती,डॉ. अभिजीत देशमुख एवं मध्य प्रदेश बिल्डर्स एसोसिएशन अध्यक्ष असीन श्रीवास्तव ने संबोधित किया अपने उद्बोधन में श्री सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने उपस्तिथ बालिकाओं को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों को जीवन कौशल के रूप में अपनाने का आव्हान किया महावीर मंडल की इस पहल को अभिभावकों और समाज का भरपूर समर्थन मिला। इस अवसर पर महावीर मंडल कार्यकारिणी तथा महानगर आयाम प्रमुख कमलेश सिंह , मंडल संयोजिका श्रीमती कल्पना जी तथा मंडल निवेदिता भारती आयाम प्रमुख अंजना श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अनिल माधव दवे की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल ।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माँ नर्मदा के अनन्य सेवक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. अनिल माधव दवे की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नदी का घर पहुंच कर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. अनिल माधव दवे के कार्यों और व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए कहा कि स्व. दवे ने अपनी कर्तव्य-परायणता के साथ पूरा जीवन जनसेवा को समर्पित कर दिया। उन्होंने सदैव नदियों, वनों और पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए नए प्रतिमान स्थापित किए। उनका सम्पूर्ण जीवन सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए अथाह ऊर्जा का स्रोत है। स्व. अनिल माधव दवे पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी नि:स्वार्थ सेवाओं और विशेष रूप से नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने 'नमामि देवि नर्मदे' यात्रा जैसी अनेक पहलों के माध्यम से जनजागरण किया और पूरे समाज को प्रकृति के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी।

भारत भवन में पांच दिवसीय एकाग्र फिल्म समारोह का हुआ समापन

स्वतंत्रता के बाद देश के सामने आने वाली चुनौतियों को प्रदर्शित करती है उपकार

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

पुलिस के सामने करता है आत्मसमर्पण

भारतीय सिनेमा के 100 साल से अधिक के इतिहास में कुछ फिल्म में ऐसी हैं, जिनकी चमक कभी कम नहीं होती। फिल्म का हिट या सुपरहिट होना, उसकी कहानी, एक्टिंग और गानों की पॉपुलैरिटी पर निर्भर था। वर्ष 1967 में रिलीज हुई एक ऐसी ही फिल्म थी उपकार जिसका प्रदर्शन रविवार को भारत भवन में आयोजित एकाग्र फिल्म समारोह में किया गया। पांच दिवसीय फिल्म समारोह के अंतिम दिन फिल्म अभिनेता और निर्देशक मनोज कुमार द्वारा निर्देशित फिल्म उपकार का प्रदर्शन हुआ। इस समारोह का संयोजन छवि प्रभाग की ओर से किया गया। लगभग पांच दशक बीत जाने के बाद भी यह फिल्म आज भी हर हिंदुस्तानी के दिल में बसती है। फिल्म का गाना %मेरे देश की धरती...% आज भी सबसे मशहूर देशभक्ति गीतों में शामिल है। फिल्म में मनोज कमार मुख्य किरदार में थे। उनके किरदार का नाम भारत था। इस फिल्म की कहानी भी मनोज कुमार ने ही लिखी थी और इसका निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। मेरे देश की धरती..., दीवानों से ये मत पूछो..., कसमें वादे प्यार वफा...जैसे सदाबहार गानों को कल्याणजी-आनंदजी ने संगीत से सजाया था। इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म सहित सात फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार मिले।

फिल्म में दिखाया गया कि हरियाणा के बल्लभगढ़ स्थित अटाली गांव के एक ग्रामीण व्यक्ति, भरत अपने भाई की शिक्षा के लिए सब कुछ त्याग देता है। भाई, पूरन, शहर में पढ़ने जाता है और उच्च-समाज की जीवनशैली की ओर आकर्षित हो जाता है। जब पूरन गांव लौटता है तो वह एक स्वार्थी व्यक्ति होता है और परिवार की संपत्ति में से अपना हिस्सा बेचना चाहता है। भरत संपत्ति का बंटवारा करने के लिए तैयार नहीं होता है और विवादित जमीन पूरन के बेटे को हस्तांतरित कर देता है। अगले क्रम में दिखाया गया कि वर्ष 1965 का भारत-पाकिस्तान युद्ध शुरू होता है भरत भी युद्ध में शामिल हो जाता है। अपने लालची चाचा चरणदास और कुछ साझेदारों की मदद से पूरन अनाज जमा करके और काला बाज़ार में बेचकर मुनाफ़ा कमाने की कोशिश करता है। पूरन को आखिरकार चरणदास की दोनों भाइयों को अलग करने की योजना का पता चल जाता है। अपराधबोध और शर्म से ग्रस्त पूरन पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर देता है। गांव में फिर से मिलने पर, दोनों भाई एक साथ पारिवारिक खेतों में खेती करते हैं। दूसरी तरफ दिखाया गया कि भरत युद्ध में बहादुरी से लड़ता है लेकिन दुश्मन उसे पकड़ लेते हैं। वह बच निकलता है लेकिन बुरी तरह घायल हो जाता है और दोनों हाथ खो देता है। जब भरत युद्ध नायक के रूप में घर लौटता है,

सचिवों एवं रोजगार सहायकों ने नहीं बने आयुष्मान कार्ड

22 महीने बाद भी पंचायतों में शासनादेश का पालन नहीं

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhun

करीब 22 माह पहले 22 जुलाई 2023 को सामान्य प्रशासन विभाग ने निर्देश जारी किया था कि आयुष्मान योजना का लाभ संविदा कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सहायिका, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आशा एवं ऊषा कार्यकर्ता, आशा सुपर वाइजर और कोटवारों को दिया जाएगा। इसके लिए इन सभी का आयुष्मान कार्ड बनाया जाए। लेकिन शासन का आदेश होने के बाद भी प्रदेश की 23 हजार पंचायतों में सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायक आयुष्मान कार्ड से वंचित हैं। अनेक जिलों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को यह ली नहीं मिल पाया है।

गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 4 जुलाई 2023 को लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित संविदा कर्मचारियों के सम्मेलन में इन कर्मचारियों को आयुष्मान योजना का लाभ देने की घोषणा की थी, 22 जुलाई 2023 को सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके आदेश जारी किए थे। अब आयुष्मान मध्य प्रदेश ने संबंधित विभागों से कर्मचारियों की पद वार जानकारी मांगी है। जानकारी आने के बाद आयुष्मान कार्ड बनाना शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार इन कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समान चिकित्सा सुविधा का लाभ नहीं देती है। प्रदेश में 23 हजार पंचायतें हैं। इनमें पंचायतों में पदस्थ सचिव 21,000, रोजगार सहायकों की संख्या 20,000 है। वहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता 98,000, आंगनकार्ड सहायिका 98,000 और आशा-ऊशा कार्यकर्ता 90,000 है।

कलेक्टरों की दी गई थी जवाबदारी

जानकारी के अनुसार कलेक्टरों की जवाबदारी थी कि उन्हें इस कार्य को प्राथमिकता से लेना था। शासन ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका, आशा-ऊषा कार्यकर्ता के अलावा पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के आदेश जारी किए थे। इस आदेश के बाद आशा-ऊषा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकों के कार्ड बनाने की प्रक्रिया कुछ जिलों में शुरू हुई है। कुछ में काम चालू ही नहीं हो पाया है। ग्वालियर, भिंड, मुरैना, अशोकनगर, गुना, मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, हरदा, राजगढ़ मंदसौर, नीमच जैसे जिलों में अभी इन कर्मचारियों के कार्ड बनना शुरू ही नहीं हो पाये हैं। भोपाल में अधिकारियों का दावा है कि काम चल रहा है। जो लोग योग्य हैं, उनके कार्ड बन रहे हैं। पंचायत सचिव महासंघ के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा का कहना है कि विभाग के अलावा जिलों में कलेक्टरों को भी पत्र दिए गए, लेकिन पंचायत सचिवों और और रोजगार सहायकों के कही कार्ड नही बन पाये। जबकि यह लाभ आवश्यक है।

आयुष्मान कार्ड बनाना प्रारंभ नहीं

पंचायत सचिवों और सहायक सचिवों यानि रोजगार सहायकों के लिए एक भी जिले में यह कार्य प्रारंभ ही नहीं हो पाया है। जबकि कलेक्टरों के अधीन जिला अस्पतालों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों की यह जवाबदारी थी कि उन्हें यह काम समय पर करवाना था। सचिवों की मानें तो देवास, इंदौर, खंडवा, अलीराजपुर और झाबुओं में कलेक्टरों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को बैठकों में निर्देश दिए। फिर भी यहां आयुष्मान कार्ड बनाना प्रारंभ नहीं किये गये हैं। मप्र ग्राम रोजगार सहायक संघ के अध्यक्ष रोशन सिंह परमार का कहना है कि शासन के आदेश का कही भी पालन नहीं किया जा रहा है। जबकि उम्मीद थी कि आयुष्मान कार्ड बनेगा तो पांच ताख तक के उपचार की राहत मिलेगी, लेकिन निराशा हाथ लग रही है। वहीं आशा-ऊषा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी कर्ता और सहायिकाओं एवं रोजगार सहायिकाओं का अल्प वेतन है। इस कारण शासन ने इनके आयुष्मान कार्ड बनाने की घोषणा की थी। ताकि इन्हें इस योजना के अंतर्गत पांच लाख तक के उपचार की राहत मिल सके। इस आदेश में यह भी स्पष्ट था कि इन सभी कर्मचारियों के शिविरों के जिला स्तर अस्पतालों में शिविरों के माध्यम से समय-सीमा में आयुष्मान कार्ड बनाये जाएं। सीएमएचओ भोपाल डा. प्रभाकर तिवारी का कहना है कि भोपाल जिले में जो कर्मचारी पात्र है उनके आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे हैं। जब लोग आएंगे नहीं तो कैसे उनके कार्ड बनाए जाएंगे। हम शासन के आदेश का पालन कर रहे हैं।

संपादकीय

खेल कूद और देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम

देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम है सबसे बड़ा खिलाड़ी देश के सैनिक हैं खेल कूद मानव जीवन के लिए एक वरदान है जो उसे स्वस्थ्य रखने के लिए उपहार स्वरूप मिली है खेल में भाग लेने से सबसे पहला लाभ स्वास्थ्य ही है क्योंकि खेल का मैदान वह स्थान है जो स्वास्थ्य पर एक स्थायी छाप छोड़ता है यह शरीर का एक ऐसा ढ़ाचा तैयार करता है जो चुस्त फुतीर्ला और बलिष्ठ होता है खेल शरीर को स्वस्थ और स्फूर्तिमय बनाये रखता है खेल कूद के दौरान शरीर के लगभग सभी अंगों का व्यायाम हो जाता है, शारीरिक व्यायाम को विभिन्न कारणों से किया जाता है जिसमें मांसपेशियों और हृदयतंत्री प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, एथलीटिक कौशल को बढ़ाना, वजन घटाना या उसे बनाए रखना तथा मनोरंजन आदि शामिल हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम आवश्यक है। यदि किशोर शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं हैं तो उनके बीमार होने का जोखिम बहुत है।बार बार और नियमित रूप से किया गया व्यायाम प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है और हृदय रोग, हृदयतंत्री रोग टाइप टू का मधुमेह तथा मोटापे जैसी जीवन शैली से संबंधित बीमारियों की रोकथाम में सहायता करता है। शरीर की मांसपेशिया सुदृढ़ बनती है और काया निरोगी रहती है एक प्राचीन कहावत है ह्लपहला सुख निरोगी कायाह्व सत्य ही है कि निरोग शरीर जीवन का सर्वश्रेष्ठ सुख है जब शरीर स्वस्थ्य होगा तो मनुष्य अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन और जीवन के सुखों का आनन्द उठा सकता है लेकिन आजीवन स्वास्थ्य सुखों का लाभ पाने के लिए शारीरिक क्षमताओं का विकास होना जरुरी होता है जो खेल के मैदान में सरलता से विकसित हो जाता है खेल का जीवन में समर्पण की भावना विकसित करने में मूल्यवान भूमिका होती है खेल के मैदान में खिलाड़ी निष्पक्षता, न्याय और हार द जीत दोनों को समान रूप से ग्रहण करता है अपने प्रतिद्वंदी के प्रति सहज भाव रखता है वह जानता है कि खेल में कभी जीत होती है, तो कभी हार होती है वह अपने प्रतिद्वंदी के बढ़िया खेल की खुलकर सराहना करता है, उसकी जीत पर मुक्त कंठ से बधाई देता है और द्वेष की भावना को पास तक नहीं भटकने देता उसके जीवन में ये सब गुण खेलों से ही तो आते है कहा जाता है कि जीवन में सफलता हासिल करनी हो तो अनुशासन रूपी कुंजी साथ में जरुर होनी चाहिए और जो खेल के मैदान में तेजी से फलता फूलता है अनुशासन जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है राष्ट्रीय और सामाजिक जीवन में अनुशासन के महत्व का पाठ खेलों के मैदान में सरलता से सीखा जा सकता है खेलों के द्वारा जीवन में पारस्परिक सम्मान के सद्गुण का विकास होता है खेलों के खिलाडियों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे एक दूसरे खिलाडियों का सम्मान करे सम्मान पाने का उपाय भी यही है कि दूसरों का सम्मान करो खेलों में जब खिलाडी अपने साथी खिलाडी को सम्मान नहीं देते है तो उन्हें आदर्श खिलाड़ी नहीं कहा जाता इसलिए प्रत्येक श्रेष्ठ खिलाड़ी अपने साथी खिलाड़ियों का सम्मान करता है जिससे उनमें पारस्परिक सम्मान के गुणों का विकास होता है खेलों से ह्लटीम स्प्रिटह्व का विकास होता है ह्लटीम स्प्रिटह्व का मतलब हर उस खिलाड़ी से है जो अपने पृथक व्यक्तित्व को टीम के व्यक्तित्व में विलीन कर दे इसमें टीम का हर खिलाड़ी सम्पूर्ण टीम के लिए खेलता है केवल अपने लिए नहीं यह ह्लटीम स्प्रिटह्व की भावना जो वह खेलों के द्वारा अपने अंदर विकसित करता है तो यही उसके व्यावहारिक जीवन की समस्याओं का समाधान करने में अत्यधिक लाभदायक सिद्ध होता है खेलकूद में शारीरिक व्यायाम भी महत्वपूर्ण है शारीरिक व्यायाम एक ऐसी गतिविधि है जो शारीरिक निरोगता अथवा समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाती है या बनाए रखती है। खेल देश की प्रगति के लिए भी बहुत जरूरी है जो ओलोंपिक में किसी खेल में ज्यादा मेडेल लाता है उसे दुनिया उतना ही अधिक शक्तिशाली मानती है महान क्रिकेटर श्री सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट में देश को वह गौरव प्रदान किया कि देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया आजकल क्रिकेट में भारत में आईपीएल लीग मैच चल रहा है और बाद में ऑपरेशन सिंदुर के बाद स्थगित किया गया,जब सारे चैनलों पर युद्ध की दर्दनाक कहानी सुनकर रातों की नींद हराम हो जाती है क्योंकि यह साफ हो गया कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदुर शुरू किया है, जिसमें कई पर्यटकों सहित 26 नागरिक मारे गए थे और आतंकवाद का सफाया कर दिया गया था। यह ऑपरेशन पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हुआ, जहाँ सेना ने नौ आतंक से जुड़े स्थलों को नष्ट कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान ने अपनी वायु सेना को हाई अलर्ट पर रखा। जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा दो ऐसे समूह हैं जिन पर अक्सर भारत में आतंकी हमलों को प्रायोजित करने का आरोप लगाया जाता है। 7 मई, 2025 को, भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंक से जुड़े स्थलों को लक्षित करते हुए सटीक हवाई और मिसाइल हमलों की एक श्रृंखला है। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल25 को पहलगाम में धर्म के नाम पर आतंकी हमले का सीधा जवाब था, जहाँ जम्मू और कश्मीर में 25 भारतीयों और एक नेपाली पर्यटक सहित 26 नागरिक मारे गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े समूह द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी और भारत ने इसके लिए पाकिस्तान को समर्थन देने का आरोप लगाया है. ऑपरेशन सिंदूर 7मई से चालु हुआ और पाकिस्तान में आतंकियों का सफाया हुआ और उनके आतंकियों अड्डे भी तबाह हुए हैं और पाकिस्तान के जबाबी कार्यवाही के बाद पाकिस्तान के सभी सैन्य हवाई अड्डे भी तबाह हुए हैं हर जगह तबाही का मंजर दिख रहा है जहाँ तक इस ऑपरेशन सिंदूर में वहाँ परमाणु सयन्त्र में विस्फोट से रेडिशन लीक का मामला है ऐ तो आईएईए की जांच से ही मालूम होगा इसलिए भारत किसी के बहकावे में नहीं आने वाला वह किसी भी देश को अपनी मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शो पर चलने वाला देश है मानवता की रक्षा करना ही उसका उद्देश्य है।

बयानबाजी से बाज आयें बड़बोले नेता

विनोद कुमार सिंह

भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें, बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी,नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है।ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है सम्पूर्ण विश्व का ध्यान इन दिनों भारत पर टिकी हुई है। विशेषकर अन्तराष्ट्रीय राजनीति विशेलषज्ञों का,विगत दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाक युद्ध से जो स्थिति उत्पन्न हुई थी।जिसमें हमारी पराक्रमी सेनाओं नें आतंकी के आकाओं पाकिस्तान के सरजमीं में घुस कर उनके ठिकानों जमींदोष कर दिया है। जिसके बाद हमारे सेनाओं व देश - विदेशों में की जय जयकार हो रही थी,तभी मध्य प्रदेश के एक बड़ बोले भाजपा के कैबनेट मंत्री नें एक जन सभा में गैर जिम्मेदार ब्यान बाजी का बेसुरा राग अलाप दिया । यह मामला मध्य प्रदेश के उच्च न्यायलय में पहुँच गया।परिणाम की गंभीरता को भापते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने दिया। उच्च न्यायलय ने पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया कि आज शाम 6 बजे तक एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।वही मंत्री के वकील ने तर्क दिया कि अदालत का आदेश पूरी तरह से अखबारों की रिपोर्टों पर आधारित था।अदालत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता(बीएनएस)की धारा 196,जो धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी भड़काने वाले भाषणों या कार्यों को दंडित करती है,इस मामले में प्रथम दृष्टया लागू होती है।मध्य प्रदेश में मंगलवार को उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।राज्य के आदिवासी मामलों के मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया को जानकारी देने वाली दो महिला सैन्य अधिकारियों में से एक कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में टिप्पणी की।कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टिप्पणी को ह्लशर्मनाक और अश्लीलह्व कहा।विपक्ष की ओर से व्यापक निंदा और अपनी ही पार्टी के भीतर आलोचना के बाद उन्होंने मंगलवार को माफी मांगी।कर्नल सोफिया कुरैशी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए शाह ने कहा, जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा बनाया,हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी बहन को भेजा।ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद से कुरैशी ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ मीडिया को कई बार जानकारी दी थी। वही राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी कर्नल सोफिया कुरैशी के प्रति अपमान जनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है तथा समाज से सशस्त्र बलों में सेवारत महिलाओं के प्रति सम्मान दिखाने का आह्वान किया है।हालांकि एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया,लेकिन उनकी टिप्पणी मध्य प्रदेश के मंत्री द्वारा कर्नल कुरैशी के खिलाफ की गई टिप्पणी से उपजे जनाक्रोश के बाद आई है।उन्होंने कहा,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा ऐसे बयान दिए जा रहे हैं जो महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अस्वीकार्य हैं। इससे न केवल हमारे समाज में महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है,बल्कि देश की उन बेटियों का भी अपमान होता है जो देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रही हैं। आप को बता दे कि उच्च न्यायालय के आदेश पर मंत्री पर एफ आई आर दर्ज होने के बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाया।जहाँ विजय शाह के द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है।इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के द्वारा दिए गए एफआईआर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ीं,सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप एक मंत्री है,ऐसे संवेदन शील वक्त में एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को सोच समझकर बोलना चाहिए।सीजेआई ने कहा कि आप जानते हैं ना कि आप कौन हैं इस पर विजय शाह ने वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल ने माफी मांग ली है।मीडिया ने उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया है।उनके वकील ने कहा कि हाई कोर्ट ने ऑर्डर पास करने से पहले हमें नही सुना गया।सीजेआई ने कहा कि आप हाई कोर्ट के समक्ष क्यों नहीं गए?जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।सर्वविदित रहे कि विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर एक बयान दिया था।उन्होंने एक जनसभा में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लेकर विवादित बयान दिया था।इस पूरे मामले पर विवाद गहराने के बाद विजय शाह ने आजतक से बातचीत के दौरान माफी मांगते हुए कहा था कि मैं सपने में भी कर्नल सोफिया बहन के बारे में गलत नहीं सोच सकता।न ही मैं सेना के अपमान की बातें सपने में सोच नही सकता हुँ।सोफिया बहन ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर देश की। इसी बीच एक और विवाद खड़ा हुआ जब मध्य प्रदेश केउपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने एक सभा में अपने बड़ बोलेपन कह दिया कि ह्लपूरा देश और सेना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है।ह्व जो हमारी भारतीय सेना की गरिमा पर सीधा प्रहार था। देश की सेना एक संवैधानिक संस्था है,तीनों सेना के महामहिम राष्ट्रपति होता,जिसका स्पष्ट उल्लेख संविधान में वर्णित है।देश की सेना न किसी राजनीतिक दल की है,न किसी व्यक्ति विशेष की होती है।जो अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित होती है।उसका समर्पण संविधान,राष्ट्र और उसकी अखंडता के प्रति है किसी नेता या सरकार के प्रति नहीं।सम्पूर्ण विपक्ष ने इस पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि भाजपा अपनी व्यक्ति पूजा की राजनीति में सेना जैसे पवित्र संस्थान को भी लपेटने से नहीं चूकती।उत्तर प्रदेश में भी राजनीतिक बयानबाजी ने नई हदें पार कीं जब समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के लिए जातिसूचक टिप्पणी की।बल्कि यह सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करने वाली थी।मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने इसे सेना और समाज दोनों का अपमान करार दिया।भाजपा के कई अन्य नेताओं ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी।वहीं,रामगोपाल यादव ने बाद में सफाई दी कि उन्होंने ऐसा किसी दुर्भावना से नहीं कहा, लेकिन सवाल फिर वही उठता है क्या इतने वरिष्ठ नेता को यह नहीं पता कि सार्वजनिक मंच से जातिसूचक शब्द कहना सामाजिक और संवैधानिक दोनों स्तरों पर अपराध है? भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें,बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी,नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं।मेरा मानना है कि चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है।ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है।बही हमारी सेना जो अपने घर परिवार से दुर शरहदों पर दिन राष्ट्र सेवा में ना केवल लग रहते है - वे भारत मॉ की आन बान व शान के लिए मर मिटने को हमेशा तैयार रहते है।भारत माँ की रक्षा में अपने प्राणों को निछावर कर देते है। क्या ये बयान बाज बड़ बोले नेताओं को जनता जनार्दन उसे इन्हीं दिनों के लिए अपना बहुमूल्य मत दे संबैधानिक पदों पर सुशोमित किया है। कई सबाल के जबाव जनता नेता पूछती है।

लिंग चयनात्मक गर्भपात के प्रचलन को जीरो टॉलरेंस पर लाना समय की मांग

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर एक जमाना था जब लिंग भेद अपनी चरम सीमा पर था और दुनियां के अनेक देशों में लिंग चयनात्मक गर्भपात का प्रचलन तेजी से बढ़ा था जिसके कारण लिंग अनुपात में तेजी से डिफरेंस बढ़ता चला गया,इस बीच दुनियां की सरकारें जागी और अनेक ऐसे कार्यक्रम, कानून नियम विनियम, व्यवस्थाएं जन जागरण अभियान चलाए गए जिससे इस कुप्रथा पर नकेल कस्ती चली गई,जो कुछ हद तक इस प्रथा पर नियंत्रण रखनेमें सरकारें कामयाब रही,परंतु फिर भी लिंग भेद की यह प्रथा वैश्विक स्तरपर पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है बल्कि चालू है, पर नियंत्रण में है। इसी क्रम एक दौर भारत में भी एक था,1994 से पहले का जब लिंग चयनात्मक गर्भपात अति तेजी के साथ हुआ था और अधिकतम लोग इस तर्ज पर बेटियों का गर्भ नष्ट कर देते थे, जिसमें स्त्री पुरुष अनुपात में भारी डिफरेंस हो गया इसके पश्चात सरकारें जागी व लिंग चयन प्रतिरोध अधिनियम 1994 बनाया जो 1 जनवरी 1996 को प्रवेश पूर्व निदान तकनीकी (विनियमन व दुरुपयोग निवारण) अधिनियम 1994 लागू किया गया जिसमें 14 फरवरी 2003 को संशोधन कर अधिनियम का नाम गर्भधारण पूर्व और प्रवेश पूर्व निदान तकनीकी (लिंग चयन प्रतिरोध) अधिनियम 1994 रखा गया।बता दें मेरा मानना है कि इस अधिनियम को लाने में देर हो गई थी जिसका परिणाम हम आज हर समाज व धर्म में भुगत रहे हैं क्योंकि,आज 1990 की उम्र के अनेक लड़के अनेक समाजों में हमारे बैठे हैं उस अनुपात में लड़कियां नहीं मिल रही है, क्योंकि आज लड़की वाले एज डिफरेंस की स्थिति को भी देख रहे हैं, इसलिए जो हमने 80- 90 के दशक में स्पीड से लिंग चयनात्मक गर्भपात किए थे उसके परिणाम आज उस उम्र के अनुपात में लड़कियों के नहीं मिलने से हो रहा है, जो मैंने प्रत्यक्ष रूप से इसका सटीक उदाहरण अनेक समाजों में देखा हूं। इसलिए ही भारत में भी राष्ट्रीय बेटी दिवस भी मनाया जाता है।और 22 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस भी मनाया जाता हैं अब हंस्ती है बेटियां तो मोती झड़ते हैं,चलती है लहराके तो फूल खिलते हैं। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,विश्व में लिंग चयनात्मक गर्भपात के प्रचलन को जीरो टॉलरेंस पर लाना समय की मांग है, व बेटे को प्राथमिकता देने की परंपराओं को समाप्त कर सभी लिंगों के लिए समान अधिकारों को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देना जरूरी है। साथियों बात अगर करीब करीब अनेकों समाजों की करें तो जहाँ छोटी लड़कियों को अभी भी बोझ और लड़कों की तुलना में कम मूल्यवान माना जाता है।आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों के कारण बेटे को प्राथमिकता देना सदियों पुराना विचार है, फिर भी यह आज भी एक वास्तविकता है।भारत और चीन में लिंग-चयनात्मक गर्भपात का प्रचलन है,लेकिन इसे एशिया मध्य पूर्व, पूर्वी यूरोप और अन्य जगहों पर भी दर्ज किया गया है। इस उत्सव का उद्देश्य लड़कियों से जुड़े कलंक को पहचानना, बेटे को प्राथमिकता देने वाली परंपराओं को खत्म करना और सभी लिंगों के लिए समान अधिकारों को बढ़ावा देना है।डॉटर्स डे दुनियां भर में माता पिता और उनकी बेटियों के बीच अनोखे रिश्ते का सम्मान करने के लिए मनाया जाने वाला एक खास अवसर है।भारत में,परिवार और समाज में बेटियों के प्यार, सम्मान और महत्व को उजागर करता है। साथियों बात अगर हम बेटियों के प्रति सहानुभूति पूर्वक और उत्साह से जनजागरण के 5 कारणों की करें तो (1) बेटियाँ परिवारों को पोषित करने और मजबूत भावनात्मक बंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बेटियों की इस भूमिका का जश्न मनाने और परिवार इकाई में उनके योगदान को पहचानने का एक अवसर है। चाहे वह प्यार, देखभाल या जिम्मेदारी के माध्यम से हो,बेटियाँ एक विशेष ऊर्जा लाती हैं जो पारिवारिक जीवन को समृद्ध बनाती है।(2) इसका एक मुख्य उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है भारत में, सामाजिक मानदंडों ने अक्सर बेटों को बेटियों की तुलना में अधिक महत्व दिया है, जिससे महत्वपूर्ण लैंगिक असंतुलन पैदा होता है। यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि बेटियाँ भी उतनी ही मूल्यवान हैं और उन्हें बेटों के समान ही प्यार, शिक्षा और अवसर दिए जाने चाहिए। यह भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण से लड़ने में मदद करता है और लिंग के बावजूद बच्चों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करने के विचार को बढ़ावा देता है। (3) कई क्षेत्रों में, पारंपरिक रीति-रिवाजों और प्रथाओं ने बेटों को प्राथमिकता दी है, खासकर विरासत और पारिवारिक वंश के संदर्भ में। बेटियों का दिन लड़कियों के महत्व और एक संपूर्ण जीवन के उनके अधिकार पर जोर देकर इन पुरानी मान्यताओं को चुनौती देता है। यह उत्सव परिवारों को अपनी बेटियों को उनके लक्ष्यों और सपनों को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करता है, चाहे वे व्यक्तिगत हों या पेशेवर।(4) बेटियों के प्रति जन जागरण सशक्तिकरण के बारे में भी है। यह माता पिता और अभिभावकों को अपनी बेटियों को यह याद दिलाने का मौका देता है कि वे मजबूत हैं, सक्षम हैं और दुनिया द्वारा दिए जाने वाले हर अवसर की हकदार हैं। बेटियों का दिन मनाकर, माता-पिता अपनी बेटियों में आत्मविश्वास पैदा कर सकते हैं, उन्हें अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं और अपने लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। (5) माता-पिता और बेटी के बीच का रिश्ता अक्सर अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव के लिए संजोया जाता है। बेटियों के प्रति जन जागरण माता पिता को विचारशील इशारों, उपहारों या साथ में गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के माध्यम से इस बंधन को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। चाहे वह एक साधारण दिल से की गई बातचीत हो, परिवार के साथ बाहर घूमना हो या कोई खास तोहफा हो, यह दिन बेटियों को यह दिखाने का सही अवसर प्रदान करता है कि वे परिवार के लिए कितना महत्त्वपूर्ण मायने रखती हैं। साथियों बात अगर हम बेटियों के प्रति जन जागरण अभियान की करें तो, दुनियां के कुछ हिस्सों में, लड़के बच्चों को लड़कियों से ज्यादा महत्व दिया जाता है। यह जन जागरण अभियान लड़के और लड़की दोनों के लिए समान महत्व को बढ़ावा देता है।लड़कियों को शिक्षित किया जा सकता है और उन्हें समान अवसर दिए जाने चाहिए।

आतंकवादियों की फैक्ट्री चलाने वाले पाकिस्तान को भारत ने दिया जवाब, तीसरे देश की मध्यनस्ता को नकारा

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

ऑपरेशन सिंदूर ने और उसे अंजाम देने वाली भारतीय सेना ने देश के प्रत्येक नागरिक का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। वहीं यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस कार्रवाई को एक ऐसे मुकाम तक पहुंचा दिया है, जिसके परिणाम स्वरूप भविष्य में पाकिस्तान और वहां बैठे आतंकी भारत पर हमला करना तो दूर उसकी ओर आंख उठा कर देखने का दुस्साहस भी ना कर सकेंगे। प्रधानमंत्री की मंशा अनुरूप हमारी सेना के जांबाज सिपाहियों ने भी पाकिस्तान की नापाक हरकतों का मुंह तोड़ जवाब दे कर यह जता दिया कि पहले हम किसी को छेड़ते नहीं, और यदि कोई हमें छेड़े तो फिर उसे हम छोड़ते नहीं। हालांकि भारत सरकार ने शत्रु देश का काफी नुकसान करने के बावजूद अपनी सैन्य कार्रवाई को औपचारिक रूप से युद्ध का नाम नहीं दिया। किंतु जिस प्रकार से हमारी सीमाओं के आसपास पड़ोसी देश के ड्रोन देखे गए, मिसाइलें गिराने की असफल कोशिशें हुईं। जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सैन्य संसाधनों को हवा में ही नष्ट किया और शत्रु देश के अनेक एयरबेस उड़ाने में सफल रही। पाकिस्तान में संचालित आतंकियों के अनेक प्रशिक्षण केंद्रों को ध्वस्त किया गया। इस कार्रवाई में 100 से अधिक ऐसे आतंकवादी मारे गए, जो भारत सहित दुनिया की अनेक आतंकवादी घटनाओं में शामिल थे या फिर अनगिनतआतंकवादी घटनाओं के रणनीतिकार रहे। भारत की जवाबी कार्रवाई में अनेक ऐसे लोग भी मारे गए जो पाकिस्तान सरकार और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर वहां आतंकवाद की फैक्ट्री चला रहे थे। उपरोक्त स्थानों पर आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर उन्हें दुनिया भर में शांति भंग करने के लिए निर्यात कर रहे थे। भारतीय सेना की आक्रमकता को देखते हुए तत समय ही यह स्पष्ट हो गया था कि परिस्थितियां औपचारिक युद्ध के मार्ग पर कदम आगे बढ़ा चुकी थीं। इसी से भयाक्रांत होकर पाकिस्तानी हुक्मरान अमेरिकी दरबार में ढोक लगाने को मजबूर हुए। यही वजह रही कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के बीच स्वस्फूर्त मध्यस्थता करने के लिए प्रयासरत दिखाई दिए। हालांकि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और तीनों सेनाओं के भारतीय प्रमुखों ने प्रेस वाताओं के माध्यम से तत्काल यह स्पष्ट कर दिया कि यह विशुद्ध दो देशों के बीच का मामला है, इसमें भारत को किसी तीसरे देश की मध्यस्थता कतई स्वीकार नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी भली भांति जानते हैं कि भारत पाकिस्तान की अकल ठिकाने लगाने के मूड में है और वह इस मामले में किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। यही वजह रही की ट्रंप केवल दावा करते दिखाई दिए कि भारत पाकिस्तान सीज फायर के लिए तैयार हो गए हैं। यह बात भी अब स्पष्ट हो चुकी है कि पाकिस्तान के शीर्ष सेना अधिकारी और वहां के हुक्मरान भारत से सीज फायर की गुहार लगा चुके हैं । इसे भारत का बड़प्पन ही कहा जाएगा कि उसने पाकिस्तान की गिड़गिड़ाहट को नजरअंदाज नहीं किया। फल स्वरुप कुछ देर के लिए दुनिया ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर की स्थिति भी देखी। लेकिन हमारी सरकार और सेना ने इस बीच एहतियाती इंतजाम ढीले नहीं किये और पाकिस्तान की ओर से होने वाली हरकतों पर नजर बनाए रखी। जैसी कि पुख्ता धारणा है, पाकिस्तान अस्तित्व में आने के बाद से ही भरोसेमंद देश नहीं रहा है। इस बार भी उसने गैर भरोसेमंद काम ही किया। एक ओर वह अमेरिका को माध्यम बनाकर भारत सरकार की बारगाह में सैन्य कार्यवाही रोकने की गुहार लगाता रहा, तो दूसरी ओर उसने भारतीय सीमा के भीतर एक बार फिर सशस्त्र ड्रोन भेजने की हिमाकत कर डाली। अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि शांति की गुहार लगाकर भारतीय सीमाओं में ड्रोन भेजने की स्थिति पाकिस्तानी सेना और वहां की चुनी हुई सरकार के बीच उठा पटक मचने के चलते बनी होगी। क्योंकि पाकिस्तान का इतिहास रहा है, वहां के हुक्मरान आवाम की चिंता किए बगैर खुद की सलामती सुनिश्चित करने और अपना राजनीतिक उल्लू साधने में संलग्न बने रहते हैं। जबकि पाकिस्तान की सेना हमेशा इस ताक में बनी रहती है कि कब सरकार गलती करे और कब उसका तख्ता पलट कर पाकिस्तान में सैन्य शासन स्थापित किया जाए। खैर, यह उनका अंदरूनी मामला है। हमारा काम तो केवल इतना सा है कि हमारी सेना ने उन सभी ड्रोन को या तो हवा में ही नष्ट कर दिया या फिर उन्हें निष्क्रिय करके वापस पाकिस्तान की ओर भागने को मजबूर किया। यानि एक बार फिर सिद्ध हुआ कि पाकिस्तान कहता कुछ और है, करना कुछ और चाहता है। इससे भी ज्यादा हास्यास्पद बात यह है कि उसकी अपेक्षाओं से विपरीत जाकर हो कुछ और ही जाता है। जहां तक भारत से मुकाबले की बात है तो इस मामले में पाकिस्तान ने हमेशा मुंह की ही खाई है। यदि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ रहे नए भारत की बात की जाए तो इसी कालखंड में सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से पाकिस्तान की अकल ठिकाने लगाई जा चुकी है। अब जब एक बार फिर पाकिस्तान ने अपनी नापाक हरकतों से जम्मू कश्मीर की भूमि को रक्त रंजित किया, तो भारत का कोप उस पर कुछ ज्यादा ही भारी पड़ गया। पाकिस्तान में स्थित आतंकवाद के अड्डों और वहां सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण जगहों पर भारतीय सेना ने एक प्रकार से आफत ही बरसा दी । यानि परिस्थितियां कुछ ऐसी निर्मित हुईं कि प्रत्येक भारतीय नागरिक पाकिस्तान को ठिकाने लगाने के मूड में आ गया। यह बात अपनी जगह सही भी है कि जब दो देश युद्ध लड़ते हैं, तब लड़ाई केवल दो सेनाओं के बीच नहीं होती। और फिर भारत जैसे जिम्मेदार देश को तो एक साथ अनेक मोर्चों पर युद्ध लड़ना होता है। उसे अपनी सैन्य कार्रवाई एकदम सटीक निशाने पर करनी होती है, जिसका अपेक्षित परिणाम शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति करता हो। इसी के साथ उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वही प्रामाणिकता प्रदर्शित करनी होती है, जैसा वह चाहता है अथवा जैसा उसने सोच रखा होता है। इसी के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुश्मन की नापाक हरकतों को ठीक तरह से एक्सपोज किया जा सके, यह प्रयास भी बड़े पैमाने पर करने होते हैं। दुश्मन आर्थिक और सैन्य सहायता प्राप्त करने के मामले में वैश्विक स्तर पर अलग-थलग किया जा सके, ऐसी रणनीति बनाकर सावधानी पूर्वक उसे अंजाम देना होता है। जब शत्रु देश से दो दो हाथ हो रहे हों तब केवल सेना और सरकार ही युद्ध लड़ रहे होते हैं, यह पूरा सच नहीं है। पूर्ण सत्यता यह है कि उपरोक्त देश के नागरिकों को भी अपने स्तर पर युद्ध के लिए सन्निध होना पड़ता है। आसमान से मिसाइलों और सैन्य गतिविधियों की गड़गड़ाहट भले ही शांत पड़ गई हो, फिर भी प्रत्येक भारतीय नागरिक का कर्तव्य है कि वह स्वयं को इन परिस्थितियों से जोड़कर बनाए रखे। ठीक उसी तरह, जैसे भारतीय जनता पार्टी के लाखों पदाधिकारी और कार्यकर्ता गण जनता के बीच पहुंचकर उन्हें पाकिस्तान पर की गई सैन्य कार्यवाही की उपलब्धियों से अवगत कराने जनता के बीच पहुंच रहे हैं। यह बताने के लिए कि एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अब हमें कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी चाहिए। क्योंकि भारत समेत किसी भी देश में ऐसे तत्वों की उपस्थिति बनी रहती है जो हमारे बीच रहकर सुरक्षा संबंधी सूचनाओं को दुश्मन देश को भेजने का काम कर सकते हैं अथवा जाति संप्रदाय और समाज के नाम पर तनाव उत्पन्न करने के षडयंत्रों में लगे रहते हैं। सोशल मीडिया को ढाल बनाकर गलत अफवाहें फैलाना आज के युग में सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। उपरोक्त सभी हालातों को ध्यान में रखकर हमें पूर्व की अपेक्षा भविष्य में भी और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। इन परिस्थितियों में हमें ध्यान रखना होगा कि हमारे बीच कोई ऐसा व्यक्ति तो नहीं है जो अचानक सक्रिय हो उठा है और उसे अपने क्षेत्र में पहले कभी नहीं देखा गया हो। यदि किसी जाने अनजाने व्यक्ति की कार्य प्रणाली अर्थात गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होती हैं तो इस बारे में पुलिस अथवा प्रशासन को तत्काल इत्तिला करना हमारा कर्तव्य होता है और दायित्व भी। देश में ऐसे तत्वों की तादाद भी कम नहीं है जो सदैव ही सरकार और सेना को हतोत्साहित करने या फिर उनकी कार्रवाई पर सवालिया निशान चस्पा करने की फिराक में बने रहते हैं। चूंकि पूर्व में ऐसे कड़वे अनुभव हो चुके हैं। इसलिए अबकी बार जब शत्रु देश की अकल ठिकाने लगाने का काम हुआ तो सेटेलाइट से उपरोक्त सैन्य कार्रवाई के फोटो संकलित किए गए और वीडियो भी बनाए गए, जिन्हें इस अघोषित युद्ध के साथ-साथ प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से हमारे सेना प्रमुखों द्वारा समय-समय पर सार्वजनिक किया जाता रहा। नतीजतन इस बार समाज कंटक लोग अपनी हरकतों को अंजाम नहीं दे पाए। लेकिन यह आइंदा भी चुप रहेंगे, यह अपेक्षा करना श्वान की पूंछ के सीधे होने की कामना करने के समान है। संभव है इनके द्वारा अब यह पूछा जाए कि सरकार ने पाकिस्तान को नेस्तनाबूद किए बगैर सैन्य कार्रवाई क्यों रोकी लेकिन सरकार इस बार उक्त षड्यंत्रकारियों से एक कदम आगे चलने की मंशा जाहिर कर चुकी है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता और संगठन के जिम्मेदार लोगों को ताकीद दिया है कि वे जनता के बीच जाएं और उनके सामने वास्तविक परिस्थितियों को ज्यों की त्यों रख दें, ताकि किसी प्रकार की अफवाह को फैलने का स्थान शेष न रह जाए। इस मामले में जहां तक मेरा अनुभव है।

नारी शक्तिः प्रेरणा से लेकर परिवर्तन की अगुआ तक!

सोनम लववंशी

भारतीय समाज में जब भी नारी सशक्तिकरण की बात होती है, तो उसे अक्सर सामाजिक अधिकारों, शिक्षा या स्वास्थ्य से जोड़ा जाता है। लेकिन असल शक्ति तब दिखाई देती है जब महिलाएं उन क्षेत्रों में आगे बढ़ती हैं, जिन्हें अब तक पुरुष-प्रधान समझा जाता रहा है। भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना ये तीनों सेनाएँ अब उस बदलाव का गवाह बन चुकी हैं जहाँ महिला अधिकारी न केवल वर्दी पहनती हैं, बल्कि उसका गौरव भी बढ़ा रही हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह आज भारतीय नारी शक्ति के ऐसे ही दो उज्ज्वल प्रतीक हैं, जिन्होंने देश, समाज और आने वाली पीढ़ियों को यह विश्वास दिलाया है कि महिलाएं नेतृत्व करने में भी किसी से कम नहीं। लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी ने वर्ष 2016 में इतिहास रचा, जब उन्होंने बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास फोर्स 18 में भारतीय दल की अगुवाई की। 18 देशों की सेनाओं के बीच भारतीय टुकड़ी की कमान किसी महिला अधिकारी को सौंपना अपने आप में इस बात का संकेत था कि सेना अब योग्यता को लिंग से ऊपर मान रही है। सिग्नल कोर की अधिकारी होने के नाते, उनका कार्य रणनीतिक संचार व्यवस्था को संभालना था। ये एक ऐसा क्षेत्र है, जो सेना के लिए रीढ़ की हड्डी जैसा होता है। इससे पहले भी वे संयुक्त राष्ट्र के कांगो मिशन में सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में सेवा दे चुकी हैं, जहाँ उन्होंने युद्ध प्रभावित इलाकों में मानवीय प्रयासों के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई। उनका कद सिर्फ एक सैन्य अधिकारी के तौर पर नहीं, बल्कि एक आदर्श के रूप में स्थापित हुआ है। दूसरी ओर, हाल के घटनाक्रम में विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने देश के समक्ष नारी नेतृत्व की एक नई मिसाल पेश की। 7 मई 2025 को उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में आधिकारिक मीडिया ब्रीफिंग की, जो 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में अंजाम दिया गया था। उन्होंने पूरी सटीकता और संयम के साथ बताया कि किस प्रकार भारतीय वायुसेना ने निशाना साधते हुए सीमापार स्थित नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया, वह भी बिना किसी नागरिक क्षति के। यह नेतृत्व का वही रूप है जो शक्ति के साथ संवेदनशीलता को भी साथ लेकर चलता है। पारंपरिक सोच को चुनौती देता है और एक नई सोच को जन्म देता है। ये घटनाएँ सिर्फ दो महिलाओं की व्यक्तिगत उपलब्धियाँ नहीं हैं। यह एक बड़ा सामाजिक परिवर्तन है जो धीरे-धीरे हमारे संस्थानों की सोच में उतर रहा है। सेना जैसे अनुशासित और कठोर ढांचे में महिलाओं की स्वीकार्यता और नेतृत्व की भूमिका उस बुनियादी मानसिकता को चुनौती देती है, जहाँ शक्ति का मतलब सिर्फ बाहुबल समझा जाता था। सोफिया और व्योमिका जैसी महिलाएं दिखाती हैं कि अब शक्ति का अर्थ संवेदना, रणनीति और साहस का संतुलन है। महिला सशक्तिकरण सिर्फ आरक्षण या अवसर का सवाल नहीं है। असली सशक्तिकरण तब होता है।

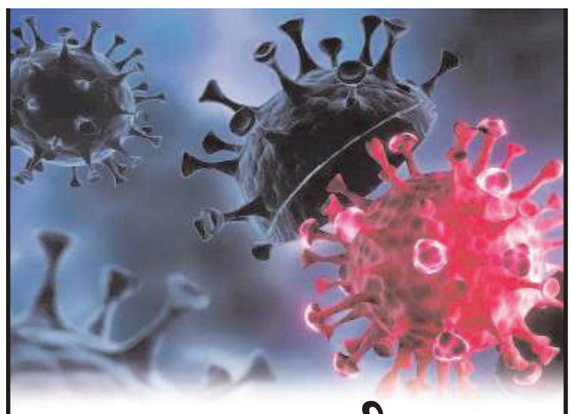

सावधानः लापरवाही पड़ सकती है भारी

कोविड की दूसरी लहर में डेल्टा वेरिएंट ने अपना जबरदस्त कहर बरपाया है लेकिन आने वाले वक्त में कुछ और नए वेरिएंट्स का प्रसार हो सकता है। कोविड-19 के डेल्टा वेरिएंट के बाद भी म्यूटेशन जारी है और अब बताया जा रहा है कि आने वाले वक्त में नए वेरिएंट पैदा होंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, जब कोई वायरस खुद की नकल करता है या अपने ही फीचर का निर्माण करता है तो कभी-कभी उसमें थोड़ा बदलाव देखने को मिलता है, जो एक वायरस के लिए सामान्य है। इन्हीं परिवर्तनों को म्यूटेशन कहा जाता है। जैसा कि आप सभी जानते ही हैं कि नोवेल कोरोनावायरस की शुरुआत के बाद से इसके कई रूप सामने आ चुके हैं और दुनिया भर में कहर बरपा रहे हैं। डेल्टा वेरिएंट को दूसरी लहर का जिम्मेदार बताया जा रहा है। इसके बाद अब एक नया स्ट्रेन, डेल्टा प्लस में बदल गया है जो बहुत घातक बताया जा रहा है। अब स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने डेल्टा और डेल्टा प्लस वेरिएंट के अलावा कई नए कोविड वेरिएंट को सूचीबद्ध किया है जो धीरे-धीरे आ रहे हैं।

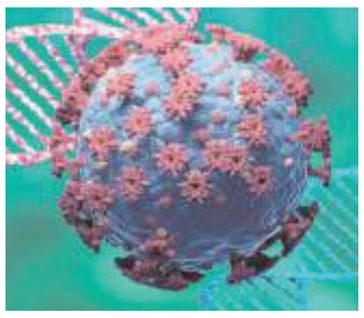

लैम्ब्डा वेरिएंट

लैम्ब्डा वैरिएंट का पहली बार पेरू में अगस्त 2020 में पता चला था और तब से लगभग 29 देशों में इसकी सूचना दी गई है। विशेषज्ञों का दावा है कि इस प्रकार के स्पाइक प्रोटीन में कई म्यूटेशन देखे गए हैं, जो इसकी ट्रांसमिसिबिलिटी यानी संक्रमकता की दर काफी अधिक बढ़ा देती है। यूनाइटेड किंगडम ने पिछले सप्ताह डेल्टा कोविड-19 संस्करण के 35,204 नए मामले दर्ज किए। वहीं पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (पीएचई) ने इसके अलावा 23 फरवरी से 7 जून तक लैम्ब्डा वेरिएंट के छह मामलों की सूचना दी है।

कप्पा वेरिएंट

SARs-COV-2 वायरस का कप्पा वेरिएंट पैंगो वंश B.617.1 के तीन उप-वर्गों में से एक है। इसे B.617.1 के नाम से भी जाना जाता है और भारत में पहली बार दिसंबर 2020 में इसका पता चला था। ये म्यूटेशन वायरस के दो वेरिएंट्स E484Q और E484K के जरिए हुआ है, जो कि ब्राजील और दक्षिण अफ्रिका में तेजी से फैल रहे हैं। इसमें L452R म्यूटेशन भी शामिल है, जो वायरस को हमारे शरीर के इम्यून रिस्पॉन्स से बचने में मदद करता है।

B.11.318

कथित तौर पर कोविड के कप्पा वेरिएंट की तरह ही B.11.318 वेरिएंट E484K म्यूटेशन में शामिल है। भारत ने इस नए वेरिएंट के दो जीनोम अनुक्रमों की सूचना दी है।

जरूरी है सावधान रहना

ऐसे समय में जब कोविड के नए इतने सारे नए रूप सामने आ रहे हैं तब हमारी जिम्मेदारी है कि हमें सावधानी बरतनी चाहिए। मामलों की संख्या होते ही सभी सीमाओं पर प्रतिबंध हटा दिए हैं और अनलॉक प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है, ऐसे हालातों में हमें अवेयर रहने की ज्यादा जरूरत है। खासकर तब जब आप घर से बाहर निकल रहे हों तब आपको कोविड के सभी प्रोटोकॉल को फॉलो करना चाहिए।

किसी सुपरफूड से कम नहीं है काला चावल, बीपी-शुगर में रामबाण

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।

आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी - 160
फैट - 1.5 ग्राम
प्रोटीन - 4 ग्राम
कार्ब्स - 34 ग्राम
फाइबर - रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमें एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों में कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों को इस प्रोटीन से बचना होता है क्योंकि यह उनकी आंत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आप सीलिएक रोग से पीड़ित हैं तो आप ब्लैक राइस का लुत्फ ले सकते हैं, क्योंकि यह आपकी स्थिति को बिगाड़ेगा नहीं।

इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भंयकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरों को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं।

लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसों पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पेन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ सकता है। लेकिन साइटिका के बारे में सही जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको MRI ही करवाना होता है।

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो जाती है।

गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की चाय

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास।

ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है।

मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए - पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे -

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती हैं। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थों से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।

असम से भाजपा सांसद दिलीप सैकिया संसद रत्न पुरस्कार-2025 से होंगे सम्मानित

गुवाहाटी/नई दिल्ली

असम से भाजपा सांसद दिलीप सैकिया को उत्कृष्ट संसदीय कार्य प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित संसद रत्न पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा। वह उन 17 सांसदों में शामिल हैं जिन्हें आगामी जुलाई के अंत में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 15वें संस्करण में यह पुरस्कार दिया जाएगा। इस वर्ष दो संसदीय समितियों को भी इस सम्मान से नवाजा जाएगा।

संसद रत्न पुरस्कार समिति ने रविवार को घोषणा की कि यह पुरस्कार सांसदों के विषय पर आधारित बहसें, पूछे गए प्रश्न और पेश किए गए निजी सदस्य विधेयकों जैसे मापदंडों के आधार पर उनकी निष्पक्ष संसदीय उपलब्धियों को मान्यता देता है।

यह पुरस्कार वर्ष 2010 में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सुझाव पर शुरू किया गया था। नागरिक समाज की ओर से दिए जाने वाले इन सम्मानों का उद्देश्य संसदीय उत्कृष्टता को सम्मानित करना है।

इस वर्ष चार सांसदों को संसदीय लोकतंत्र में विशिष्ट एवं निरंतर योगदान के लिए विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे - जिनमें उड़ीसा से भाजपा सांसद भर्तृहरि माहताब, केरल से आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन, महाराष्ट्र से एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बारणे शामिल हैं। ये सभी सांसद 16वीं और 17वीं लोकसभा में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता रहे हैं और अब 18वीं लोकसभा में भी अपना उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं।

राज्यों की बात करें तो महाराष्ट्र सबसे आगे है जहां से सात सांसदों को यह पुरस्कार मिलेगा, जबकि उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान से दो-दो तथा उड़ीसा, तमिलनाडु, केरल और असम से एक-एक सांसद चयनित हुए हैं।

इसके अलावा दो स्थायी संसदीय समितियों को भी सम्मानित किया जाएगा - जिनमें वित्त पर स्थायी समिति (अध्यक्ष : भर्तृहरि माहताब) और कृषि पर स्थायी समिति (अध्यक्ष : डॉ चरणजीत सिंह चन्नी) शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

नए पोप लिओ का होगा शपथ ग्रहण

वेटिकन सिटी। नए पोप लिओ-14 का वेटिकन सिटी के सेंट पीटर स्कावयर पर शपथ ग्रहण समारोह होगा। यह समारोह जो कि पूरे दो घंटे तक चलेगा। इस शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए दुनिया भर के तमाम नेता वेटिकन सिटी पहुंच चुके हैं। रोमन कैथोलिक चर्च के पूर्व पोप फ्रांसिस का पिछले महीने 21 अप्रैल को 88 साल की आयु में निधन हो गया था। उसके बाद आठ मई को कार्डिनल ने वोटिंग करके नए पोप के तोर पर लिओ का नाम तय किया था। नए पोप लिओ का असली नाम राबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट है। कैथोलिक परम्परा के मुताबिक शपथ ग्रहण के बाद नए पोप को एक धार्मिक वस्त्र और एक अंगूठी दी जाएगी। ये उपहार नए पोप के पदभार ग्रहण करने का प्रतीक होते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पोप के शपथ ग्रहण समारोह में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, उनकी पत्नी ऊषा वेंस, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, उनकी पत्नी जीनेट रूबियो और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी समेत कई देशों के राजनेता व धार्मिक लोग शामिल होंगे ।

लंदन में सिख दम्पति पर पाकिस्तानी गुंडों ने किया हमला

लंदन। यहां एक सिख दम्पति ने आरोप लगाया है कि उनके परिवार पर पाकिस्तानी गुंडों के एक समूह ने

हमला किया तथा इसके बाद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब शहर के मेयर सादिक खान के आदेश के कारण हुआ। अपनी बात को साबित करने के लिए लंदन के एक रेस्टोरेंट मालिक हरमन सिंह कपूर ने कहा कि दो दिन पहले एक पाकिस्तानी को पाकिस्तानी कहने पर शहर की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने उन पर नस्लीय भेदभाव का आरोप लगाया। कपूर ने ट्वीट किया कि कल रात मैंने पाकिस्तानियों के एक समूह द्वारा हमला किए जाने के बाद 999 पर कॉल किया। जब पुलिस आई, तो एक अधिकारी मेरी ओर दौड़ा, जबकि अन्य चिल्ला रहे थे, इसे गिरफ्तार करो! मेरा अपराध मैंने एक पाकिस्तानी कोज एक पाकिस्तानी कहा। उन्होंने मुझ पर नस्लीय रूप से उत्तेजित होने का आरोप लगाया- असली हमलावरों पर नहीं। यह सादिक खान के अधीन पुलिसिंग है। लंदन में पाकिस्तानियों के एक समूह द्वारा किए गए हमलों की अपनी व्यथा का ब्यौरा देते हुए दम्पति ने कहा कि यह पिछले ढाई वर्षों से हो रहा है, जिसके कारण अंततः पति को गिरफ्तार कर लिया गया। दंपति ने एक वीडियो में कहा कि 'हमारे परिसर में ही कुछ पाकिस्तानी गुंडों ने हम पर हमला किया। हमें कुछ चोटें आई हैं। पति ने खुद को और अपने परिवार को बचाने की कोशिश की। जबकि पत्नी ने पुलिस को बुलाया। बाद में पति को गिरफ्तार कर लिया गया। क्योंकि मेरा नाम खान नहीं है और हम आतंकवादी नहीं हैं।' एक अलग वीडियो में महिला ने कहा कि पुलिस के पास हुए हमलों के सबूत हैं। मगर उन्होंने अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू नहीं की है, क्योंकि वे लंदन के मेयर सादिक खान के नियंत्रण में हैं, जिनकी जड़ें पाकिस्तान में हैं।

गुजरात की समुद्री सीमा में संदिग्ध बोट की हलचल के बाद कोस्टगार्ड अलर्ट

अमरेली। अमरेली जिले के जाफराबाद के निकट समुद्री सीमा में रविवार को संदिग्ध बोट की हलचल देखी गयी। जाफराबाद बंदरगाह से करीब 22 नॉटिकल माइल दूर बोट दिखने के बाद मछुआरों ने इसकी सूचना मरीन पुलिस थाने और कोस्टगार्ड को दी। कोस्टगार्ड की त्वरित कार्रवाई के बाद बोट तेजी से भाग निकला। कोस्टगार्ड हेलिकॉप्टर से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार अमरेली जिले के जाफराबाद बंदरगाह से करीब 22 नॉटिकल माइल दूर एक संदिग्ध बोट की हलचल दिखने पर वहां मौजूद मछुआरों ने इसकी सूचना तुरंत कोस्टगार्ड और मरीन पुलिस को दी। कोस्टगार्ड तुरंत हरकत में आया और संदिग्ध बोट के स्थान की ओर रवाना हो गया। जानकारी के अनुसार भारतीय कोस्टगार्ड की बोट देखकर संदिग्ध बोट तेजी से भाग निकला। कोस्टगार्ड हेलिकॉप्टर से इसकी जांच में जुट गया है। जाफराबाद बोट एसोसिएशन के प्रमुख कन्हैयालाल सोलंकी ने कहा कि बोट में कई लोग थे। मछुआरों ने उनके साथ बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन बोट कहीं रुका नहीं। मामले की जानकारी मिलने पर स्थानीय विधायक हीरा सोलंकी भी बंदरगाह पहुंचे और वायरलेस के जरिए समुद्र में मौजूद मछुआरों से बातचीत की। अंदर की स्थिति और संदिग्ध बोट के बारे में जानकारी प्राप्त की। विधायक हीराभाई ने कहा कि सुबह 11.30 बजे मछुआरों के जरिए संदिग्ध बोट के संबंध में जानकारी मिली थी। मामले की जानकारी जिला कलक्टर को सूचना दी गई।

उत्तराखंड के देहरादून से गिरफ्तार किए गए पांच बांग्लादेशी, मददगार भारतीय महिला भी पकड़ी गई

देहरादून पहुंचाने में मदद करने वाले नूर इस्लाम, दिल्ली और मोहम्मद आलम, बिहार की पुलिस को तलाश

देहरादून

उत्तराखंड की देहरादून पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में 05 बांग्लादेशी नागरिकों और 01 भारतीय महिला को गिरफ्तार किया है जबकि 04 नाबालिग को पुलिस संरक्षण में रखा गया है। एसएसपी देहरादून ने इसकी पुष्टि की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह ने बताया कि उन्हें गोपनीय सूचना मिली थी कि देहरादून के क्लेमन्टाउन क्षेत्र में कुछ बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं। इस सूचना पर उन्होंने एसओजी, एलआईयू और थाना क्लेमन्टाउन की एक संयुक्त टीम गठित कर बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

इस पर पुलिस टीम को क्लेमन्टाउन क्षेत्र में सत्यापन की कार्रवाई के दौरान लेन नम्बर 11, पोस्ट आफिस रोड, क्लेमन्टाउन से 05 बांग्लादेशी नागरिक निर्मल राय, शेम राय, लिपि राय, कृष्णा उर्फ संतोष, मुनीर चन्द्र राय और 04 नाबालिग बांग्लादेशी बच्चों और उनके साथ निवास कर रही 01 भारतीय महिला पूजा रानी और एक भारतीय नाबालिग बालक मिल गए। बांग्लादेशी नागरिकों से जब वैध दस्तावेज मांगे गए तो वे पुलिस टीम को कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवा पाए। इस दौरान तलाशी में मुनीर चन्द्र राय से पटना-बिहार और पश्चिम बंगाल के 02 अवैध आधार कार्ड बरामद हुए और कृष्णा उर्फ संतोष व निर्मल राय से बांग्लादेश की आईडी बरामद हुई।

सभी बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर निवास करने के अपराध और भारतीय महिला को षडयंत्र के तहत बांग्लादेशी नागरिको की सहायता करने के अपराध में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा पूछताछ के बाद अब पुलिस बांग्लादेशी नागरिकों को देहरादून तक पहुंचाने में मदद करने वाले नूर इस्लाम पुत्र रहमान अली, न्यू अशोक नगर, दिल्ली और मोहम्मद आलम, पूर्वी चंपारण, बिहार की तलाश में जुट गई है।

पुलिस टीम में थाना क्लेमन्टाउन के उप निरीक्षक संदीप कुमार लोहान, विनीता बेलवाल, विजय, कांस्टेबल रणवीर व साग, एसओजी टीम के निरीक्षक मुकेश त्यागी, उप निरीक्षक कुन्दन राम, विनोद राणा, कांस्टेबल आषीश, ललित व पंकज और एलआईयू टीम के निरीक्षक लक्ष्मण सिंह नेगी, अर्जुन सिंह जग्गी, उप निरीक्षक अरविंद कुमार, रोशन पंत, हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार व संदीप नेगी शामिल रहे।

बसपा ने आकाश को बनाया मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर

दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। उन्होंने यह निर्णय दिल्ली स्थित पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय 29 लोधी स्टेट में पदाधिकारियों की सहमति के बाद लिया है। साथ ही उम्मीद जताई है कि इस बार आकाश पार्टी व मूवमेंट के हित में हर तरह की एहतियात बरतते हुए पार्टी को मजबूत बनाने में योगदान देंगे। बसपा प्रमुख मायावती ने 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी घटना के बाद पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य कार्रवाई के लिए भारतीय सेना की सराहना की है। उन्होंने कहा कि जनता व देश के हित को प्रभावित होने से बचाने के लिए सरकार का अपराध नियंत्रण जैसे आतंकवाद विरोधी उपाय भी जरूरी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर परमाणु धमकी देता रहता है। उसकी ब्लैकमेलिंग को नहीं सहने संबंधी भारत सरकार की चेतावनी उचित है। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका या किसी अन्य तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को स्वीकार न करने की राष्ट्रीय सहमति का कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है।

नेपाल : स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को समन

काठमांडू

नेपाल की एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से कथित जमीन घोटाले में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को समन भेजा गया है। नेपाल सरकार द्वारा आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा शोध संस्थान बनाने के लिए पतंजलि ट्रस्ट नेपाल को सरकारी जमीन दी गई थी। इस जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित गड़बड़ियों की जांच चल रही है। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से भी पूछताछ की जा चुकी है। नेपाल के कंपनी रजिस्ट्रार के दफ्तर में पतंजलि योगपीठ नेपाल और पतंजलि ट्रस्ट नेपाल दोनों ही कंपनियों को गैर नाफामुलक कंपनी के रूप में रजिस्टर्ड किया गया है। इन दोनों ही कंपनियों में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण संचालक समिति में हैं जबकि नेपाल की तरफ से शालीग्राम सिंह संचालक समिति में हैं। ब्यूरो के तरफ से प्रवक्ता राजेन्द्र पौडेल ने बताया कि संचालक समिति में होने के कारण रामदेव और बालकृष्ण को समन भेजा गया था लेकिन उनकी तरफ से जून के आखिरी सप्ताह में यह जवाब आया कि नेपाल में हुई सभी खरीद-बिक्री के लिए स्थानीय प्रतिनिधि शालिग्राम सिंह जवाबदेह हैं इसलिए कानूनी रूप से उनसे ही पूछताछ की जाए। नेपाल सरकार ने कैबिनेट की मंजूरी के साथ पतंजलि योगपीठ नेपाल और पतंजलि ट्रस्ट नेपाल कॉन्जमिन हदबंदी की छूट देते हुए जमीन का आवंटन किया था। आयुर्वेद विश्वविद्यालय, आयुर्वेद शोध संस्थान, योग महाविद्यालय तथा अन्य प्रयोजन के लिए बनेपा जिले में में 61 बीघा, दांग जिले मे 75 बीघा, 22 बीघा, स्यांगजा जिले में 18 बीघा, चितवन में 15 बीघा, जनकपुर में 25 बीघा, बारा और परसा जिले में 50 बीघा और काठमांडू में 11 बीघा जमीन पतंजलि योगपीठ और पतंजलि ट्रस्ट ने अपने नाम पर खरीदा। इसके दो वर्ष के बाद ही पतंजलि ट्रस्ट नेपाल ने बनेपा में सहूलियत में मिले 61 बीघा जमीन को महंगे दाम पर बेच कर कहीं और जमीन की खरीद की।

मैक्सिकन नौसेना का जहाज ब्रिज से टकराया, दो की मौत, 19 घायल

अमेरिका के न्यूयार्क में बड़ा हादसा हो गया। मेक्सिन नौ सेना का ट्रेनिंग जहाज ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। न्यूयार्क सटी के मेयर एरिक एडम्स ने बताया कि हादसे में दो लोगों को मौत होने और 19 लोगों घायल होने की खबर है घायलों में दो की हालत गंभीर बनी हई है। न्यूयार्क फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक हादसा शनिवार की देर शाम को हुआ। हादसे के तुरंत बाद ही रेस्क्यू आरपेरशन शुरू कर दिया गया। सभी घायलों को तुरंत ही अस्पताल में दाखिल कराया गया। हादसे के पीछे कारण क्या रहे, इसके बारे में अभी जांच की जा रही है। यह नौसेना का जहाज नौसैनिक कैडेटों को ट्रेनिंग देने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसमें कुल 277 लोग सवार थे, जिनमें नाविक, अधिकारी और कैडेट भी शामिल थे।

कोलंबिया ने चीन-नीत ब्रिक्स बैंक में शामिल होने के लिए आवेदन किया

शंघाई/बोगोटा

कोलंबिया ने चीन के नेतृत्व में संचालित न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) में सदस्यता के लिए आवेदन किया है। यह कदम लैटिन अमेरिकी देशों की बदलती विदेश नीति की दिशा की ओर संकेत करता है, जिसमें वे अब पारंपरिक अमेरिकी प्रभाव से हटकर चीन जैसे उभरते वैश्विक शक्ति केंद्रों की ओर रुख कर रहे हैं।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने हाल ही में अपने चीन दौरे के दौरान शंघाई में ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति और एनडीबी की प्रमुख दिल्मा रूसेफ से मुलाकात की। पेट्रो ने घोषणा की कि उनका देश इस बहुपक्षीय विकास बैंक में 512 मिलियन अमेरिकी डॉलर के शेयर खरीदेगा। राष्ट्रपति पेट्रो ने विशेष रूप से उस 120 किलोमीटर लंबे नहर या रेलवे परियोजना का ज़िक्र किया जो कोलंबिया के अटलांटिक और प्रशांत महासागर के तटों को जोड़ने के लिए प्रस्तावित है। उन्होंने इसे दक्षिण अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार के लिहाज से रणनीतिक कड़ी बताया और आशा जताई कि एनडीबी से इस परियोजना को वित्तीय सहयोग मिलेगा।

कोलंबिया एनडीबी में सदस्यता के लिए आवेदन करने वाला लैटिन अमेरिका का दूसरा देश है। इससे पहले 2021 में उरुग्वे ने इस बैंक में शामिल होने की इच्छा जताई थी। हालांकि, कोलंबिया का यह कदम वॉशिंगटन में चिंता का कारण बन सकता है, क्योंकि यह देश अब तक अमेरिका का प्रमुख सहयोगी और वॉर ऑन ड्रग्स अभियान का समर्थनकर्ता रहा है।

नक्सलवाद पर राहुल गांधी की भूमिका संदिग्ध,पीठ पीछे गड़बड़ कर रहे हैं, मेरे पास इसके प्रमाण मौजूद : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रविवार को राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधीपीठ पीछे गड़बड़ कर रहे हैं। नक्सलवाद देश के सबसे बड़े संकटों में से एक है और इसमें भी राहुल गांधी की भूमिका संदिग्ध लगती है।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने आज स्थानीय सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान नक्सलवाद की समस्या पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर यह गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के तेलंगाना सीमा पर करेंगुट्टा की पहाड़ियों में 21 दिनों तक चले अभियान के दौरान तेलंगाना सरकार से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने के सवाल पर कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पीठ पीछे गड़बड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद देश के सबसे बड़े संकटों में से एक है और इसमें भी राहुल गांधी की भूमिका संदिग्ध लगती है। मेरे पास इसके प्रमाण मौजूद हैं, जिनके आधार पर मैं यह बात कह रहा हूं।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने नक्सलियों से वार्ता करने के सवाल पर कहा कि सरकार नक्सलियों से वार्ता करने को तैयार हैं, पर नक्सली किस विषय पर वार्ता करना चाहते हैं, इसका मसौदा उन्हें प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने कहा कि नक्सली हथियार छोड़ें तो सरकार उनके पुनर्वास के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि नक्सली घटनाओं में हुई एफआईआर को भी सरकार वापस लेने को तैयार है, लेकिन इसके लिए नक्सलियों को अपने हथियार डालने होंगे।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री में नक्सली संगठनों की स्थिति और आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि सुकमा जिले के बड़े शेट्टी गांव ने स्वयं को नक्सली मुक्त घोषित कर दिया है, जिसकी वजह से भाजपा सरकार ने अपनी घोषणा के अनुरूप गांव के विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रूपये की राशि की ग्राम पंचायत को प्रदान की है। उन्होंने कहा कि नक्सली लगातार आम आदिवासियों को अपना निशाना बनाते रहे हैं। उन्होंने चिंगावरम की घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे नक्सलियों ने यात्री बस को निशाना बनाकर 16 ग्रामीणों को बारूदी विस्फोट से उड़ा दिया था।

उन्होंने गांव वालों से अपील की है कि वह सामंजस्य से गांव से जो भी लोग नक्सली संगठन से जुड़े हैं, उनसे चर्चा कर उन्हें वापस लौटने के लिए प्रेरित करें। उन्होने कहा कि नक्सलियों के बड़े लीडरों के बच्चे तो विदेशों में शिक्षा ले रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नक्सली बस्तर के आदिवासियों को और उनके बच्चों को प्राइमरी और मिडिल स्कूल तक भी पढ़ने देना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि बस्तर में 200 से अधिक स्कूलों को नक्सलियों ने बम से उड़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि बीजापुर और तेलंगाना सीमा पर स्थित करेंगुट्टा की पहाड़ियों में 21 दिनों तक चले सबसे लंबी अवधि तक चले नक्सली अभियान में 31 वर्दीधारी नक्सली मारे गए हैं। मुठभेड़ों के दौरान 35 हथियार, 450 आईईडी, सैकड़ों बंकर और नक्सलियों की तकनीकी इकाइयां भी नष्ट की गई है। 21 अप्रैल से 11 मई के दौरान कुल 21 मुठभेड़ों में 16 वर्दीधारी महिला नक्सली सहित कुल 31 वर्दीधारी नक्सलियों के शव और 35 हथियार बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि मुठभेड़ स्थल से बरामद शव प्रतिबंधित नक्सली संगठन अंतर्गत पीएलजीए बटालियन नंबर 1, तेलंगाना राज्य समिति, दंडकारण्य विशेष जोनल समिति के नक्सली कैडर्स के हैं।

ब्रीफ न्यूज़

पूर्व विधायक की प्रतिमा पर मिट्टी पोतने पर नाराज हुए मंत्री टेटवाल, कार्यवाही के दिये निर्देश

सारंगपुर। सारंगपुर विधानसभा के भोज नगर कॉलोनी में बीते दिनों पूर्व विधायक स्व.अमर सिंह कोठारी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों द्वारा मिट्टी लगाने का मामला सामने आया। जिसे लेकर कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल ने नाराजगी जताते हुए मामले की घोर निंदा की। साथ ही उन्होंने पुलिस अधिकारियों से बात कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने राजगढ़ एसपी आदित्य मिश्रा से बात करते हुए कहा कि स्व. अमर सिंह कोठारी की प्रतिमा पर जिन असामाजिक लोगों ने इस तरह का कृत्य किया हैं। उनकी पहचान कर तत्काल प्रभाव से ऐसे दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। क्षेत्र में इस तरह के अपराध माफ नही किये जायेंगे। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे, इसका विशेष ध्यान रखें। क्षेत्र का विकास और जनता की सेवा करना मेरा कर्तव्य- टेटवाल मंत्री गौतम टिटवाला ने कहा कि क्षेत्र में सभी व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो एवं क्षेत्र की जनता को किसी भी प्रकार की परेशानियां न हो इसका दायित्व मेरा है। पर जो शांति व्यवस्था भंग करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कोई भी अपराध क्षमा नहीं किया जाएगा। क्षेत्र का विकास और जनता की सेवा करना मेरा कर्तव्य है।

ऑटो रिक्शा और कंटेनर की भिड़ंत में एक की मौत दो गंभीर कंटेनर का ड्राइवर मोके से हुआ फरार

सारंगपुर। सुनेरा से एक निजी कार्यक्रम से सारंगपुर लौट रहे परिवार की बाय पास के पास कंटेनर ४ स्त्र 78।उ ३ 9736 और ऑटो `स्त्र 42। १ ङ्क 432की भिड़ंत में मौके पर बेटी की मौत हो गई जबकी पति पत्नी घायल हो गए सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इदरीस अपने परिवार के साथ अपने ससुराल से आ रहे थे इस दौरान गोपाल पुरा बायपास के निकट कंटेनर और ऑटो की भिड़ंत हो गई जिसमें इदरीश पिता अब्दुल करीम व उसकी पत्नी गंभीर घायल हो गए और नाबालिग बेटी इलमा खान उम्र 8 वर्ष की मोके पर हुई मौत व एक का पैर कटा व अन्य घायल हुए जिनको राहगीरों व एम्बुलेंस की मदद से सारंगपुर सिविल अस्पताल लाया गया जहा से गंभीर स्थिति देख शाजापुर रेफर किया गया पुलिस थाना सारंगपुर से मिली जानकारी के अनुसार बालिका के शव का पोस्टमार्टम कर लाश परिजनों को सौंप दी है मामले में पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है।

स्विमिंग प्रतियोगिता में 25 बच्चों ने लिया हिस्सा,कलेक्टर ने किया सम्मानित

बोले- तैराकी खेल और फिटनेस दोनों के लिए लाभदायक

दीनबन्धु, राजगढ़।
dinbandhunews.com

राजगढ़ में खेल एवं युवक कल्याण विभाग ने रविवार को स्विमिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें 10 से 15 साल के 25 बच्चों ने भाग लिया। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने कार्यक्रम में पहुंचकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि तैराकी खेल और फिटनेस दोनों के लिए लाभदायक है। स्विमिंग पूल पर जल्द ही बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बच्चों को मेडल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के बच्चों ने हिस्सा लिया। अंडर-10 बालक वर्ग में तेजस मिश्रा, अनन्य नामदेव, विक्रम खरे और ध्रुव शुक्ला ने भाग लिया। बालिका वर्ग में पल्लवी मिश्रा ने प्रतिभाग किया। अंडर-14 वर्ग में नवाज, अर्जुन और नवील ने हिस्सा लिया। अंडर-15 वर्ग में गोविंद, अली, मोहम्मद अब्दुल और अली सदन ने प्रतिस्पर्धा की। कलेक्टर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी शर्मिला मुजाल्दे, महिला एडीओ वसीम खान, सशक्तिकरण अधिकारी श्याम बाबू खरे समेत कई अधिकारी और खेल प्रशिक्षक मौजूद रहे।

अशोकनगर में प्रभारी मंत्री ने कलेक्ट्रेट में विकास कार्यों की समीक्षा, मंत्री राकेश शुक्ला मुंगावली में निकली तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

दीनबन्धु, अशोकनगर।
dinbandhunews.com

मध्य प्रदेश के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने रविवार को अशोकनगर का दौरा किया। उन्होंने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। प्रभारी मंत्री ने ग्रीष्मकाल को देखते हुए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बंद नल जल योजनाओं को तत्काल चालू करने और खराब हैंडपंपों की मरम्मत के आदेश दिए। जल जीवन मिशन की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

अमृत सरोवरों के निर्माण की हुई समीक्षाः राजस्व विभाग की समीक्षा में स्वामित्व योजना के अंतर्गत 29,663 लोगों को भू अधिकार पट्टे का वितरण किया जा चुका है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से 1,38,444 किसान लाभान्वित हुए हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान और अमृत सरोवरों के निर्माण की भी समीक्षा की गई।

जय स्तंभ चौराहा से तिरंगा यात्रा शुरू हुई यात्राः शाम को मंत्री मुंगावली पहुंचे। वहां जय स्तंभ चौराहा से तिरंगा यात्रा शुरू हुई। यात्रा पुराना थाना होते हुए गणेश शंकर विद्यार्थी चौराहा तक पहुंची। इस दौरान भाजपा के जिला अध्यक्ष ने अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा नेता मौजूद रहे।

पिकनिक मनाने गए भोपाल के दो युवक हलाली डेम में डूबे

बर्तन धोते समय फिसले, गहरे पानी में जाने से गई जान

विदिशा । विदिशा के हलाली डेम में रविवार को भोपाल के दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। मृतक युवकों की पहचान फिरोज खान (23) और शहजाद खान (33) के रूप में हुई है। दोनों अपने दोस्तों के साथ छुट्टी का दिन बिताने हलाली डेम आए थे। बर्तन साफ करते वक्त वे डेम के किनारे से फिसलकर गहरे पानी में चले गए। एसडीईआरएफ की टीम ने निकाला शव घटना की सूचना मिलते ही एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों के शव पानी से निकाले गए। करारिया पुलिस शवों को विदिशा जिला चिकित्सालय ले गई। वहां पोस्टमार्टम किया जाएगा। एसडीईआरएफ की कमांडेंट रश्मि दुबे ने घटना की पुष्टि की है।

पिपल्या, कतरगाँव एवं कोगावां में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

दीनबन्धु, खरगोन
dinbandhunews.com

हरीश कुमरावत। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अखिलेश जोशी के निर्देश पर प्राधिकरण की सचिव एवं वरिष्ठ खंड न्यायाधीश सुश्री प्रीति जैन ने ग्राम पंचायत पिपल्या, कतरगाँव और कोगांवा में विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से आम जन को कानून और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। ग्राम पिपल्या के पंचायत भवन में ग्रामीणों से रूबरू हुई न्यायाधीश ने उपस्थित पंचायत सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से गांव में चल रही सरकारी योजनाओं की अपडेट ली। यहां मनरेगा की जानकारी देते हुए न्यायाधीश ने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी योजना है इसके तहत गांव का सर्वांगीण विकास होता है तथा गांव के संसाधनों में भी वृद्धि होती हैं। जैसे गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र या स्कूल भवन का निर्माण होगा तो वहां के कुशल और अकुशल दोनो श्रेणी के मजदूरों को काम मिलेगा। इस योजना में सरकार द्वारा हर मजदूर को रोजगार की गारंटी दी गई है। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों की जानकारी भी दी। इस अवसर पर सचिव सोहन खोडे, अंतिम बाला सीटोले, अर्चना सीटोले, राजकुमारी वर्मा, पीएलवी दुर्गेश राजदीप, जोजो मुरियादन उपस्थित थे। ग्राम पंचायत कतरगांव में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक साक्षरता और मनरेगा योजना के तहत न्यायाधीश ने ग्रामीणों को सरकार की मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना सहित जनकल्याण कारी योजनाओं की जानकारी दी। सरपंच प्रकाश पाटीदार, सचिव सुनील भालेकर उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत कोगांवा में नालसा की एसिड अटैक पीड़ितों को विधिक सहायता योजना के तहत न्यायाधीश प्रीति जैन ने बताया कि एसिड अटैक पीड़ितों को किसी भी अस्पताल में इलाज से मना नहीं किया जा सकता है। जब भी किसी पर एसिड हमला हो तो सबसे पहले उसके घाव पर लगातार साफ पानी डाले और तुरंत अस्पताल पहुंचाएं। पॉक्सो एक्ट की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि अधिकतर लोग बदनामी के डर से यौन दुर्व्यवहार और छेड़छाड़ की घटनाओं की शिकायत नहीं करते लेकिन उन्हें डरना नहीं चाहिए। क्योंकि ऐसे मामलों में पीड़ित लड़की या उसके परिवार की पहचान उजागर नहीं की जाती है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सचिव मोहन निंगवाल, सहायक सचिव कपिल जाट, कुंदन जाट, मनदीप सिंह तवर एवं दीपिका वर्मा उपस्थित रहे।

सांसद के निजी सचिव यादव ने सडक हादसें मे घायलों को पहुंचाया अस्पताल

दीनबन्धु, खरगोन
dinbandhunews.com

हरीश कुमरावत। बड़वाह- शनिवार देर रात को इंदौर रोड पर खराब खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली में बाईक सवार जा घुसे ग। जो रात मे सड़क पर घायल अवस्था मे पड़े थे। वही से कई काम से आ रहे सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के निजी सचिव ब्रजेश यादव की नजर पड़ी। उन्होंने मौके पर तुरंत रूकर उनको बड़वाह के सरकारी अस्पताल मे रात मे भर्ती करवाया। गंभीर घायल अवस्था के कारण अस्पताल मे उपचार के बाद उनको यादव ने इंदौर रैफर करवाया। बाइक पर 2 व्यक्ति सवार थे उनको सिर मे ज्यादा चोट आने की वजह से इंदौर मे उनका अस्पताल मे इलाज चल रहा है। जो पुनासा तरफ के निवासी बताये जा रहे है। फिलहाल तो उनका इंदौर मे इलाज जारी है। यादव की तत्परता से उनको सही समय पर इलाज मिला है। यादव ने मानवता का परिचय दिया है। ब्रजेश यादव ने कहा कि किसी भी सडक हादसे मे घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाना मानव धर्म भी है और आपका कर्तव्य भी। इधर सरकार ने भी घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर योजना को दे रखी है मंजूरी म.प्र. की मोहन सरकार ने घायलों की जान बचाने के लिए योजना को मंजूरी दे रखी है। जिसमें घायलों की जान बचाने वाले आम नागरिकों से अब कानूनी सवाल नही होगे। बल्कि इन्हें सरकार के द्वारा पुरस्कृत भी किया जायेगा। आमतौर पर घायलों की मदद के लिए आगे आने वालो से सवाल पूछे जाते थे, इसी वजह से कई बार घायलों की मदद के लिए लोग आगे आने से भय खाते है। इस परोपकार से जोड़ने लोगो को इनाम एवं पुरस्कार देने की योजना बनाई है।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के 300 वे जन्म शताब्दी वर्ष पर हुआ कार्यक्रम

आदर्शवादी है राजमाता अहिल्याबाई की नीतियांः मंत्री टेटवाल

दीनबन्धु, सारंगपुर
dinbandhunews.com

राजमाता अहिल्याबाई होलकर के 300 वे जन्मशताब्दी वर्ष पर राजगढ़ के सारंगपुर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसी कड़ी में सारंगपुर विधानसभा में स्थित स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में शैक्षिक महासंघ की ओर से व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसमें कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। साथ ही विश्वविद्यालय की प्राचार्य ममता खोइया, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष पीएस मंडलोई व समस्त शिक्षक एवं भाजपा के गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। मंत्री गौतम टेटवाल ने राष्ट्र हित में शिक्षा, शिक्षा हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज का उल्लेख किया। साथ ही मंत्री टेटवाल ने राजमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन व उनकी प्रशासनिक, आर्थिक, धार्मिक, पुनर्जागरण, सैन्य विकास तथा राज्य के समग्र विकास की नीतियों पर प्रकाश डाला। मंत्री गौतम टेटवाल ने राजमाता अहिल्याबाई होलकर को याद करते हुए कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने जीवन के 10हजार 585 दिन सिर्फ समाज सेवा एवं जन कल्याण के कार्य किये। अपना संपूर्ण जीवन जनकल्याण में लगाने वाली राजमाता अहिल्याबाई होल्कर जी को मैं बारंबार प्रणाम करता हूं। उनके आदर्श आज समाज के लिए बड़ी प्रेरणा है।

आदर्शवादी है राजमाता अहिल्याबाई की नीतियांः मंत्री टेटवाल

कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने राजमाता अहिल्याबाई होलकर के 300 वे जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने विषम परिस्थितियों में रहकर भी उचित ढंग से राजकाज की व्यवस्था संभालते हुए उसे सुशासन के रूप में स्थापित किया। जो आज सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। मंत्री टेटवाल ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन अद्वितीय और प्रेरणादायक था। जिसमें उन्होंने महिला सशक्तिकरण, प्रकृति संरक्षण, राजकीय कार्यभार, शासन सेवा और धर्म के उच्चतम आदर्श को स्थापित किया। वे केवल एक रानी नहीं बल्कि 'हर हाथ को रोजगार, हर खेत को पानी' के मंत्र को जीवन में उतरने वाली लोकमाता थी।

अहिल्याबाई होलकर के आदर्शो से मिलती है प्रेरणाः मंत्री टेटवाल

राजमाता अहिल्याबाई का राजमाता से लोकमाता तक उनका सफर यह बताता है कि एक सच्चा शासक केवल सिंहासन पर बैठने से महान नहीं बनता, बल्कि अपने कर्मों और सेवा से दिलों में जगह बनता है। आज हम सभी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर नारी शक्ति, सेवा, धर्म और न्याय की उसे ज्योति को आगे बढ़ना चाहिए, जो अहिल्याबाई होल्कर ने जलायी थी।

कार्यालय नगर पालिका प्रषासन सारंगपुर जिला राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

विज्ञप्ति क्रमांक 1352/राजस्व/2025 — सारंगपुर दिनांक 16/05/2025

भवन/भूमि नामान्तरण
आपत्ति इष्तिहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका सारंगपुर की सीमा में स्थित आवासीय भवन खुली भूमि पर नामान्तरण किये जाने हेतु निम्नांकित आवेदन पत्र प्रस्तुत हुये है।

यदि किसी व्यक्तियों को इस नामान्तण किये जाने के सम्बंध में कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन होने के 15 दिन के अन्दर अपना आवेदन मय प्रमाण के नामान्तरण शाखा में प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

-::विवरण::-

क्र.	नाम आवेदनकर्ता व निवास का पता	वार्ड क.	भवन/भूमि कमांक	मार्ग/गली/मोहल्ले का नाम, जिसमें भवन/भूमि स्थित है	न.पा. रिकॉर्ड में दर्ज नाम	नामान्तरण चाहे जाने का आधार
1	श्रीमति सुधा पति संतोष शर्मा	16	सर्वे न. 727,729,730 मे से 30X30=900 वर्गफीट	तलेनी	नवीन	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 27.12.2013 के आधार पर
2	गोकुल प्रसाद पिता सुदघूलाल मालवीय	16	सर्वे क 281/142 , 282 –290 मे से 15X50=750 वर्गफीट	ड्रीम होम सिअी	नवीन	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 14.11.2017 के आधार पर
3	सैययद फैजान अली पिता सै. तनवीर अली	15	भवन क 29/98	आदर्श नगर	रमेशचन्द्र पिता बंशीलाल ,निर्मला शर्मा आदी	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 13.12.2024 के आधार पर
4	श्रीमति स्मिता पति महेश वर्मा	16	सर्वे क 12.6X40=500 वर्गफीट	तलेनी	नवीन	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 31.08.2021 के आधार पर
5	अनील कुमार पिता गोपाल सिंह भिलाला	16	भवन कं.332 मे से 14X50=700 वर्गफीट	ड्रीम होम सिटी	महेन्द्र कुमार पिता रतनलाल जैन	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 13.06.2023 के आधार पर
6	श्रीमति पदमा पति सुरेश सोलंकी	7	भवन क 235, 1/2 भाग	जाटवाडी	धापूबाई पति तुलसीराम	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 12.03.2025 के आधार पर
7	श्रीमति हंसा बाई पति ओमप्रकाश आर्य	8	भवन क 131/57 कुल क्षेत्रफल 22X35=770 वर्गफीट	बदलीपुरा	प्रेमप्रकाश पिता फुलचंद गुप्ता	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 31.01.2025 के आधार पर
8	अजय पिता कैलाश परिहार	15	भवन क 528 कुल क्षैत्रफल 1500 वर्गफीट	बागकुआ	रेखा पति अजय परिहार	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 09.04.2025 आधार पर
9	ज्वाला प्रसाद स्व रामसिंह माली	7	भवन क 235/3	जाटवाडी	कंचनबाई पिता बालू जी	मृत्यू प्रमाण पत्र एवं शपथ पत्र के आधार पर
10	सन्नो बी पति फारूख खा	13	सर्वे क 2005 /2226 ,2008 /1/1 मे से 15X37.9=568-50 वर्गफीट	स्टार होम्स कालोनी	नवीन	डायवर्सन दिनांक 27.10.2023 एवं खसरा बी –वन के आधार पर
11	प्रकाश पिता कैलाश नारायण परमार	7	भवन क 454 मे से बीच वाला भाग	पुराना एबी रोड	ओमप्रकाश पिता मोतीलाल	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 20.03.2025 के आधार पर
12	श्रीमति ममता बाई पति छतरसिंह सिसोदिया	8	भवन कं.–797 /4/59 , 798/7 आदि मे से 913 वर्गफीट ,	शगुनविहार	नवीन	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 03.03.2025 के आधार पर
13	फैमिदा बी पित फकरूददीन सैफी	16	भवन क 601 क्षेत्रफल 10X60=600 वर्गफीट	फूलपूरा अकोदिया रोड	सै.मो.नवाज पिता दबीर हुसैन, सै.अली नवाज काजी	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 21.02.2025 के आधार पर
14	श्री रामगोपाल पिता किशनलाल शिवहरे	17	भवन क 306 क्षै. 20X60=1200 वर्गफीट`	गणेशविहार कालोनी	हेमन्त कुमार पिता शिवनारायण	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 3 0.2019 के आधार पर
15	गुलनाज बी पति अ. रज्जाक खान	09	सर्वे क 740/1/1/1/..मे से 30X14=420 वर्गफीट`	सरखेलवाडी	नवीन	रजिस्ट्रेड विक्रय पत्र दिनांक 07.2024 के आधार पर

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सारंगपुर

कर्मचारी संघ की ओर से मुख्यमंत्री का किया स्वागत

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ द्वारा आज डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री मध्य शासन का रविंद्र भवन में कर्मचारी हितों पर निर्णय लेने पर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक भगवान का समनानी नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंश भारतीय मजदूर संघ के संगठन मंत्री क्षेत्र संगठनमंत्री मध्य प्रदेश राजस्थान पेंशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव जी कार्यकारी अध्यक्ष अनिल एडमिन जी महामंत्री श्री जितेंद्र सिंह जी पंकज श्रीवास्तव श्रीवास्तव जी सुभाष शर्मा जी मयूर उपाध्याय हार्दिक संख्या में कर्मचारी नेता एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

23 मई को सेवानिवृत्ति होंगे, मध्य प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश, 20 मई को होगा बिदाई समारोह

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत 23 मई को सेवानिवृत होने जा रहे हैं। 21 मई से हाई कोर्ट का ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो जाएगा। मुख्य न्यायाधीश को फुलकोर्ट विदाई सम्मान समारोह 20 मई को आयोजित होगा।

मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के बिदाई समारोह में कहा,जो सम्मान उन्हें मध्य प्रदेश में मिला है। उसको भूल पाना, उनके लिए कभी संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा मैं जितना कठोर हूं, उतना भावुक भी हूं। न्यायपालिका के मान-सम्मान को मैं अपने व्यक्तिगत मान सम्मान से ऊपर रखता हूं। न्यायपालिका की साख को लेकर यदि कोई गलत काम होता है। उसे में बर्दाश्त नहीं कर पाता हूं। उन्होंने मध्य प्रदेश बार की प्रशंसा की। 20 मई का दिन उनके कामकाज का अंतिम दिन होगा। इसलिए उन्हें 23 मई के स्थान पर 20 मई को विदाई समारोह आयोजित किया जा रहा है।

खंडवा बाल सुधार गृह से 5 बाल अपचारी भागे,एक साल से हिरासत में थे

लोहे की रॉड से दीवार में छेद कर बनाई सुरंग

खंडवा। खंडवा के बाल सुधार गृह से 5 बाल अपचारी भाग गए। पांचों ने दीवार में लोहे की राड से छेद किया और उसे पार कर भाग गए। घटना रविवार सुबह 4 बजे की हैं। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

एक साल से हिरासत में थे : सीएसपी अभिनव बारंगे ने बताया कि बाल सुधार गृह में 5 बाल अपचारी पिछले करीब एक साल से न्यायिक हिरासत में थे। सभी खरगोन जिले के रहने वाले हैं, वहीं चोरी के अलग-अलग मामलों में इन्हें बाल सुधार गृह लाया गया था। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।लोहे की रॉड से दीवार में छेद कर भाग निकले उन्होंने बताया- प्रथम दृष्टया जांच में पता चला है कि पांचों ने बाल गृह से भागने का प्लान बनाया और लोहे की रॉड (सब्बल) से दीवार में छेद किया। जिस दीवार में छेद किया गया वह बाल गृह के बाहर की ओर बनी हुई है। भीतर से कमरा था, जहां सीसीटीवी कैमरे की नजर भी नहीं जा सकती थी, बाल अपचारियों ने सब्बल से उसी जगह ऐसी सुरंग बनाई जिससे वह आर-पार हो सकें। इसके बाद रविवार सुबह 4 बजे सभी बाल अपचारी मौका पाते ही भाग निकले। इस मामले में बाल सुधार गृह के कर्मचारियों के बयान लिए गए हैं, थाना कोतवाली में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

रवीन्द्र भवन में कर्मचारियों ने सीएम मोहन यादव का अभिनंदन किया

9 साल कर्मचारियों का एचआरए अटकाया, मुझे दुख होता था: सीएम

जिनके हक की चीज है, उन्हें ये समय पर देनी चाहिए

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

भोपाल में राज्य कर्मचारी संघ के कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि 9 सालों से आपका एचआरए लटका हुआ था। मैं ये देखकर दुखी होता था। जिनके हक की चीज है, उन्हें ये समय पर देनी चाहिए।सीएम ने कहा- वो सारे अंतर जिनके माध्यम से जबरदस्ती से अटकाना-लटकाना, मैं समझता हूं कि ये उचित नहीं था। ये चीजें बोलने से थोड़े देना चाहिए। ये अपने आप ही देना चाहिए। मैं इस मामले में थोड़ा भाग्यशाली हूं कि आप लोगों को ज्ञापन देने नहीं आना पड़ा। मैंने खुद ही बड़ा दिया।बता दें कि रविवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन में राज्य कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा विधायक भगवान दास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी के साथ ही कर्मचारी संघ और भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

आगे का इंजन तेज चलेगा, तो हमें भी तेज चलना पड़ेगा।

वहीं कर्मचारियों के डीए को लेकर सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान डीए मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का एक वाक्य है डबल इंजन की सरकार। तो आगे जो इंजन लगा है, वह तेज चलेगा तो हमें भी तेज चलना पड़ेगा। सीएम बोले- हमारे बीच की परस्पर व्यवस्थाओं के अंतर्गत हम काम करते हैं। सरकार और सरकार के मुखिया और व्यवस्थाओं का एक ही मतलब है कि हम अपनी व्यवस्थाओं में सुव्यवस्था स्थापित करें। कहीं अव्यवस्था या दुरावस्था है, कमी है तो उसे दुरुस्त करें।

सीएम ने कहा- मैं प्राधिकरण में रहा, टूरिज्म में रहा, शिक्षा मंत्री के रूप में काम करके आपके बीच से निकला तो मुझे इस बात का एहसास है कि हम निर्णय कुछ भी कर लें, लेकिन निर्णय का नीचे क्रियान्वयन कराने की जो एजेंसी है, उस निर्णय को नीचे अंजाम तक पहुंचाने वाले लोगों के मन में कोई असंतोष है या उनकी व्यवस्था बिग?ी है तो हम कितनी भी बात कर लें उस बात का नीचे असर आएगा ही नहीं।

ट्रांसफर पॉलिसी में भी हमने कर्मचारियों की पीड़ा समझी

सीएम ने कहा- स्थानांतरण नीति के बारे में भी ध्यान रखा। ट्रांसफर करेंगे लेकिन तब करेंगे जब सबका समय आएगा। जब बच्चों की छुट्टियां हो जाएं। हम थो?ा आने जाने की व्यवस्था बना लें इसलिए गर्मी की छुट्टियों का इंतजार किया। भले जो भी सहन करना प?ा। नए-नए मुखिया को कितना सहन करना प?ता है आप सब जानते हैं। लेकिन हमने कहा समय आएगा जरूर कर देंगे। आपके बिना कहे एक महीने का समय दिया।

संकल्प पत्र को पूरा करेंगे

सीएम ने कहा- आज ये हमारे अच्छे संकल्पों का अभिनंदन है। 2023 के संकल्प पत्र में हमने कहा था उसे अक्षरश- जमीन पर उतारने का काम करूंगा। इसमें कोई संदेह नहीं हैं। सीएम ने कहा- मैं मजदूर संघ का ही काम कर रहा हूं। आम के आम गुठली के दाम। इधर उद्योग धंधे लगेंगे तो हमारा संगठन भी ब? जाएगा। लोगों को रोजगार मिलेगा। रोजगार का मतलब केवल सरकारी नौकरी नहीं हैं। ये हम बार-बार बोलते हैं, लेकिन सरकारी नौकरी के पदों को भरने का अभियान चलाया है।

पुलिस बैंड के पद खत्म होते चले गए अब हर जिले में भर्ती कर रहे

सीएम ने कहा- भर्ती करने में जो कठिनाई आ रही है। उसे भी दूर कर रहे हैं। पुलिस विभाग में जितने पद थे वो तो भरे ही साथ में नए पद भी स्वीकृत कर दिए। सीएम ने मजाकिया लहजे में कहा आपसे भी मुझे दो-दो हाथ करना है आजादी के पहले के पुलिस बैंड के पद थे। हर जिले बैंड के पद धीरे-धीरे खत्म होते चले गए। किसी की भी सरकार रही हो 55 साल किसी और की सरकार रही 20 साल हमारी रही। उसके पहले से पुलिस बैंड के पद खत्म होते चले गए। ऐसे में हमने कहा कि पुलिस की परेड होती है तो वहां की गरिमा उस अनुपात में होना चाहिए। इसलिए हमने 55 जिलों में पुलिस बैंड की मंजूरी दी। बाकी सारे पदों को लेकर कई नए जिले बन गए तो वहां नए पद स्वीकृत करके दिए हैं। सीएम ने कहा- पहले विक्रम वर्मा के समय में पीएससी की परीक्षा हुई। फिर जयभान जी के समय में हुई। फिर हमने कराई और कहा कि बहुत सारे पद खाली होते जाते हैं। अब हमने कहा पीएससी को कोई विशेष संख्या देने की जरूरत नहीं हैं जो पद खाली होते जाएं। तो भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया लगातार चलनी चाहिए। आप एक बार में एक एग्जाम करा लो।

यूपीएससी की तर्ज पर एक एग्जाम कराने की योजना

सीएम ने कहा- जैसे यूपीएससी की परीक्षा होती है उसमें जिसके ज्यादा नंबर आते हैं वो आईएएस में चला जाएगा। थो? कम नंबर आए तो आईपीएस में, और कम आए वो फॉरेस्ट सर्विस में चला जाए। एक बार में चयन करो और जैसे जहां जरूरत पड़े वहां भेजते जाओ। सारे पदों पर सभी प्रकार के योग्य लोग मिल जाएंगे। लेकिन बिना बात के लटकाना ये बात समझ नहीं आई। अपनी व्यवस्थाओं को अगर सुचारू रूप से संचालित करना है तो ऐसे निर्णय करने पड़ेंगे।

बैंककर्मी समेत तीन युवक नदी में डूबे:मृतकों में दो सगे भाई, मामा के लड़के को बचाने में गई जान

मऊगंज। मऊगंज जिले में तीन भाइयों की नदी में डूबने से मौत हो गई। हादसा रविवार सुबह करीब 10 बजे हुआ। तीनों भाई पैपखार गांव में निहाई नदी में नहाने गए थे। करीब दो घंटे बाद तीनों को नदी से निकाला जा सका। परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों में दो सगे भाई अमन तिवारी (18), अभय तिवारी (17) समेत उनके मामा का बेटा अभिषेक मिश्रा (24) शामिल हैं। रविवार सुबह तीनों नहाने के लिए निहाई नदी गए थे। जहां अभिषेक गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए अमन और अभय भी पहुंचे। लेकिन गहराई का अंदाजा नहीं होने से वे भी डूब गए।

पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन को सौंपे शव

तीनों युवकों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। कड़ी मशक्कत के बाद शव बाहर निकाले जा सके। पोस्टमॉर्टम मऊगंज सिविल अस्पताल में किया गया। अमन-अभय के पिता अनिल तिवारी पेशे से रजिस्ट्री लेखक हैं। अभिषेक मिश्रा मऊगंज के दुगोली गांव का रहने वाला था। बड़ा भाई सत्य प्रकाश मिश्रा आईआईटी की तैयारी कर रहा है। सबसे बड़ी बहन है। अभिषेक एचडीएफसी बैंक की मऊगंज ब्रांच में क्लर्क था। शनिवार को ड्यूटी के बाद बुआ के घर पैपखार आया था। वहीं, अमन (18) और अभय (17) बारहवीं क्लास में पड़ रहे थे।

बीमाकुंज से सिग्नेचर रेजिडेंसी तक तिरंगा रैली निकाली

भोपाल। ऑपरेशन सिंदूर के सफलता पर देश के वीर सैनिकों के सम्मान में कोलर शहर के गणमान्य नागरिकों की विशेष उपस्थिति में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया तिरंगा यात्रा में हुजूर के विधायक रामेश्वर शर्मा श्रीमती ज्योति मिश्रा गुड्डू भदोरिया ललित चतुर्वेदी राहुल नरेश कमलेश राठोर प्रियांश बागोरा अनूप सिंह बेस संदीप श्रीवास्तव नवीन वर्मा भगवानदास विश्कर्मा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे

विधायक निर्मला सप्रे केस की सुनवाई आज, कांग्रेस ने हाईकोर्ट में दायर की है याचिका

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

भोपाल। कांग्रेस की बीना से विधायक निर्मला सप्रे की विधायकी अयोग्य घोषित करने के मामले में कांग्रेस की ओर से दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी। पहले मामले में शुक्रवार को सुनवाई होना थी। दरअसल इस याचिका में सरकार की ओर से मांग की गई है कि इस याचिका पर सुनवाई इंदौर की जगह जबलपुर में होना चाहिए। हाईकोर्ट एडवोकेट विभोर खंडेलवाल ने बताया कि शुक्रवार को समय बीत जाने के कारण मामले की सुनवाई टल गई।

कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी की विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। कांग्रेस ने मांग की है कि सागर जिले के बीना से विधायक सप्रे ने दल-बदल किया है, इसलिए उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द की जाए। विधायक निर्मला सप्रे लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान 5 मई को राहतगढ़ में सीएम डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच पर पहुंची थी। तब से वे कांग्रेस से दूरी बनाते हुए भाजपा के साथ हैं। लेकिन औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता नहीं ली है। इसी वजह से आधिकारिक तौर पर अब भी वो कांग्रेस की विधायक हैं। कांग्रेस ने निर्मला की सदस्यता खत्म कराने को लेकर हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में याचिका लगाई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष को जुलाई में हमने पत्र दिया था। विधानसभा ने कागज गुमा दिए। 90 दिन बाद भी अध्यक्ष ने कोई निर्णय नहीं लिया, इसलिए हमें हाईकोर्ट जाना पड़ा।

एक साल पहले शामिल हुई थीं भाजपा में

2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर सागर जिले की बीना सीट से निर्मला सप्रे विधायक बनीं। मई में लोकसभा चुनाव के दौरान सागर जिले के राहतगढ़ कस्बे में आयोजित बीजेपी की चुनावी जनसभा में निर्मला सप्रे मंच पर पहुंची और उन्होंने सीएम डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के हाथों भाजपा का गमछा गले में डाला। मंच से यह ऐलान किया गया कि निर्मला सप्रे ने बीजेपी जॉइन कर ली है। सप्रे ने भी कहा कि वे बीना के विकास के लिए बीजेपी के साथ आई हैं।

मामले में अब तक क्या-क्या

निर्मला सप्रे के खिलाफ नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन 7 जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष को सदस्यता खत्म करने का आवेदन दिया। विधानसभा अध्यक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष को करीब ढाई महीने बाद जवाब आया कि आपकी याचिका के दस्तावेज गुम हो गए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने दोबारा याचिका से संबंधित दस्तावेज स्पीकर को भेजे। जुलाई से 90 दिनों में जब स्पीकर की ओर से सप्रे की सदस्यता को लेकर निर्णय नहीं हुआ तो 28 नवंबर को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इंदौर हाईकोर्ट में याचिका लगाई। इंदौर हाईकोर्ट ने पहली सुनवाई के लिए 9 दिसंबर की तारीख दी। 9 दिसंबर को इंदौर हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए विधानसभा अध्यक्ष और बीना विधायक को नोटिस जारी किए। सुनवाई की तारीख 19 दिसंबर तय की गई। 19 दिसंबर को सरकार ने हाई कोर्ट से इंदौर की जगह जबलपुर में सुनवाई की मांग की गई।

भोपाल में डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण

पत्रकारों का तीर्थस्थल है माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय: विजयवर्गीय

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि किसी शहर के संग्रहालय और शिक्षण संस्थान धरोहर के समान हैं इनका समृद्ध होना समाज के गौरव को ब?ाता है। उन्होंने माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय के गौरवशाली इतिहास की प्रशंसा की। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि आधुनिक युग में नौजवान पी?ी के लिये डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा बहुत उपयोगी रहेगी। मंत्री श्री विजयवर्गीय रविवार को भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के मौके पर डिजिटल लाइब्रेरी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में संग्रहालय की स्थापना से लेकर अब तक के सफर में सहयोग करने वाली संस्थाओं और हस्तियों का सम्मान किया गया।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। उनके इस संकल्प को शैक्षणिक संस्थानों को समृद्ध करके पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सप्रे संग्रहालय की शुरूआत एक छोटे स्वरूप में हुई थी। लगभग पिछले 4 दशकों में इस संस्थान ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर ली है। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री सुरेश पचौरी ने अपने उदबोधन में कहा कि श्री विजयदत्त श्रीधर ने अपनी लगन से भोपाल शहर को एक अमूल्य धरोहर दी है, जिसका लाभ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को निरंतर मिलता रहेगा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री पचौरी ने भारतीय स्टेट बैंक के सीएसआर फंड से दी जाने वाली मदद को सराहनीय बताया।

संस्थान के संस्थापक सदस्य श्री विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान पुस्तकालय सेवा के 3 प्रारूप में कार्यरत है। पत्रकार एवं पाठक वर्ष 1984 से इसका लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक की सामाजिक सेवा बैंकिंग के अंतर्गत सीएसआर मद से उपलब्ध धन राशि से सप्रे संग्रहालय के 20 लाख दुर्लभ दस्तावेजों और पुराने जर्जर पृष्ठों का डिजिटलीकरण हुआ है। संग्रहालय की संदर्भ सामग्री का फायदा लेकर 1240 शोधार्थियों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों से पीएचडी एवं डी.लिट्. की उपाधियां अर्जित की हैं। संग्रहालय में बिजली की बचत के लिये 10 किलोवाट क्षमता क सौर ऊर्जा पैनल भी लगाये गये है।

समारोह में सहयोग देने वाली संस्थाओं के साथ श्री शिवकुमार अवस्थी, स्व. सुरेश शर्मा, स्व. शौकत रमूजी के उल्लेखनीय योगदान के लिये उनके परिजनों को सम्मानित किया गया।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म.प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578